दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया ईप्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं.
MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं.
MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-205, शनिवार 11 जून 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"मैं अपने भाग्य का नियंत्रक हूं, मैं अपनी आत्मा का नियंता हूं।"
- विलियम अर्न्स्ट हेन्ले

नूपुर शर्मा के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन

जुमे की नमाज के बाद प्रयागराज में पत्थरबाजी, पीएसी का ट्रक फूंका, रांची में पुलिस से भिड़े प्रदर्शनकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी के बाद भाजपा से निष्कासित नेता नूपुर शर्मा के खिलाफ शुक्रवार को देशभर में प्रदर्शन शुरू हो गए। उत्तर प्रदेश, दिल्ली, कर्नाटक, बंगाल के कई शहरों में जुमे की नमाज के बाद लोग सड़कों पर उतर आए और नूपुर शर्मा के खिलाफ नारेबाजी की। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। प्रयागराज में प्रदर्शनकारियों ने पीएसी का ट्रक तक फूंक डाला। कर्नाटक में नूपुर का पुतला लटका दिया। झारखंड की राजधानी रांची में भी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई। एक दिन पहले ही नूपुर सहित 33 लोगों के खिलाफ हेट स्पीच देने का मामला दिल्ली पुलिस ने दर्ज किया है। मुंबई में भी उनके खिलाफ एक मामला दर्ज हुआ है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने ही उन्हें सुरक्षा भी प्रदान की है, क्योंकि उन्हें जान से मारने और रेप की धमकियां मिल रही थीं।

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज, सहारनपुर, बाराबंकी, मुरादाबाद, उन्नाव, देवबंद समेत कई शहरों में जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शन हुए। सहारनपुर में तोड़फोड़ और प्रयागराज में पत्थरबाजी हुई। प्रयागराज में प्रदर्शनकारियों ने पीएसी का ट्रक फूंक डाला। कई जगहों पर हालात काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भीम आर्मी चीफ सतपाल तंवर ने नूपुर शर्मा की जुबान काटकर लाने वाले को एक करोड़ का इनाम देने का ऐलान किया।

दिल्ली: शाही इमाम बोले- हम प्रदर्शनकारियों को नहीं जानते

दिल्ली में जामा मस्जिद में जुमे की नमाज के लिए करीब 1500 लोग जमा हुए थे। नमाज के बाद करीब 300 लोग बाहर आए और नूपुर शर्मा के खिलाफ नारेबाजी की। जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कहा कि हमारी तरफ से प्रोटेस्ट का कोई कॉल नहीं था। नमाजी नमाज पढ़कर बाहर निकले और अचानक प्रदर्शन करने लगे। हम नहीं जानते कि विरोध करने वाले कौन है। मुझे लगता है कि वे एआईएमआईएम के सदस्य हैं या ओवैसी के आदमी हैं।

कर्नाटक के बेलगावी में शुक्रवार को फोर्ट रोड पर एक मस्जिद के पास बिजली के तार से भाजपा की नूपुर शर्मा का पुतला लटका मिला। उन्होंने कहा कि जैसे ही इस मुद्दे ने लोगों में आक्रोश पैदा किया, पुलिस ने नगर निगम के साथ मिलकर इसे तुरंत हटा दिया।

कश्मीर: श्रीनगर और कई अन्य जगहों पर प्रदर्शन

कश्मीर के श्रीनगर और कई अन्य शहरों में नूपुर शर्मा की टिप्पणी के खिलाफ नारेबाजी की गई। यहां भी प्रदर्शन नमाज के बाद ही शुरू हुए। कई पोस्टर भी दिखे, जिसमें पैगंबर मोहम्मद का अपमान करने वाले का सिर काटकर लाने की बात भी कही गई।

बंगाल: कोलकाता में भी प्रदर्शन, पर उग्र नहीं

कोलकाता और हावड़ा में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर जमकर नारेबाजी की। लोगों ने कहा कि पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ विवादित टिप्पणी करने वाला का बुरा हश्र करना चाहिए। भीड़ में शामिल लोगों ने दुकानों को बंद कराने को लेकर बवाल भी किया। जिसके बाद पुलिस को आंसू गैस के गोले बरसाने पड़े।

झारखंड: रांची में पुलिस पर पथराव, फायरिंग भी हुई

रांची में जुमे की नमाज के बाद प्रदर्शनकारियों ने मेन रोड पर प्रदर्शन किया। इस दौरान हंगामा और पत्थरबाजी भी हुई। पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। मेन रोड स्थित इकरा मस्जिद से लेकर डेली मार्केट तक की दुकानें रहीं। इसके अलावा मुस्लिम बहुल इलाकों हिंदपीढ़ी, पुंदाग में भी दुकाने बंद रहीं।

तेलंगाना: हैदराबाद में मक्का मस्जिद के बाहर प्रदर्शन

तेलंगाना में भी नमाज के बाद प्रदर्शनकारियों ने बवाल काटा है। राजधानी हैदराबाद में मक्का मस्जिद के बाहर भाजपा की निलंबित नेता नुपुर शर्मा के विवादित बयान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस ने बल प्रयोगकर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया। पुलिस बल और सीआरपीएफ इलाके में तैनात है।

पंजाब: शाही इमाम की मांग पर लुधियाना में प्रदर्शन

लुधियाना जामा मस्जिद में पंजाब के शाही इमाम द्वारा पैगंबर का अनादर करने वालों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पूरे पंजाब में विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी के आह्वान पर प्रदर्शन किया गया। जुमे की नमाज के बाद मजलिस अहरार इस्लाम हिंद ने नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल का पुतला फूंका गया। प्रदर्शनकारी बोले- पैगंबर की शान में गुस्ताखी बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

छिंदवाड़ा में भी प्रदर्शन

मध्यप्रदेश में भी नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने नूपुर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी और प्रदर्शन किया। नूपुर शर्मा को मिल रही धमकियों पर सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने कहा है कि भारत हिंदुओं का है। उन्होंने कहा- इन अविश्वासियों ने हमेशा ऐसा ही किया है। इनका कम्युनिस्ट इतिहास है। जैसे कमलेश तिवारी ने कुछ कहा तो वह मारा गया, किसी और (नूपुर शर्मा) ने कुछ कहा और उन्हें धमकी मिली। भारत हिंदुओं का है और सनातन धर्म यहां जिंदा रहेगा और यह हम लोगों की जिम्मेदारी है।

महाराष्ट्र: कई शहरों में प्रदर्शन

महाराष्ट्र के नवी मुंबई, पनवेल, सोलापुर, औरंगाबाद में भी हुए प्रोटेस्ट हुए हैं। हालांकि यहां से अभी कोई हिंसा की खबर नहीं है। प्रदर्शन में भारी संख्या में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं।

पीएम मोदी का कांग्रेस पर तीखा प्रहार, कहा-

लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों ने आदिवासी क्षेत्रों के विकास में नहीं ली कभी दिलचस्पी

नवसारी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात में करीब 3,050 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात में विकास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुजरात का गौरव पिछले दो दशकों में राज्य का तेजी से विकास है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को नवसारी में %गुजरात गौरव अभियान% में हिस्सा लिया। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मंच से विपक्ष पर हमला किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा, पिछले दो दशकों के दौरान राज्य में तेजी से विकास गुजरात का गौरव है, सभी के लिए विकास और इस विकास से पैदा हुई एक नई आकांक्षा है। डबल इंजन सरकार इस गौरवशाली परंपरा को ईमानदारी से आगे बढ़ा रही है। 2014 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने से पहले, पीएम मोदी को अक्टूबर 2001 से मई 2014 तक अपने कार्यकाल के साथ गुजरात के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्री होने का गौरव प्राप्त है।

उन्होंने कहा, पिछले आठ वर्षों में, सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का पालन करते हुए, हमारी सरकार ने गरीबों के कल्याण, गरीबों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने पर अत्यधिक जोर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर कहा- आज मुझे 3,000 करोड़ रुपये से अधिक के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास करने का अवसर मिला। ये सारे प्रोजेक्ट सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड सहित दक्षिण गुजरात के करोड़ों साथियों का जीवन आसान बनाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इन परियोजनाओं से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति में सुधार के साथ-साथ कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने और जीवन में आसानी को बढ़ाने में मदद मिलेगी।

इसरो के नए भवन का उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात की यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने नवसारी जिले में 3,050 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें क्षेत्र में जल आपूर्ति में सुधार लाने और जीवनयापन आसान बनाने पर केंद्रित परियोजनाएं शामिल हैं। इसके बाद उन्होंने अहमदाबाद में इसरो के नए भवन का उद्घाटन किया। इस मौके पर उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद रहे। इससे पहले पीएम ने खुडवेल में आदिवासियों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, %गुजरात गौरव अभियान का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व का पल है। यह भी मेरे लिए गर्व की बात है कि आज मेरी सभी में 5 लाख लोग एकत्रित हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में तो लोग मेरे मुख्यमंत्री के कार्यकाल में भी नहीं आते थे। यह सब कुछ गुजरा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के प्रयासों से ही संभव हो पाया है। बहुत समय से मेरा यहां आने का मन था, क्योंकि मैं आदिवासी भाई-बहनों के विकास की ढेरों किस्से सुन रहा था। चुनाव का मतलब काम नहीं, चुनौती है। मैं विरोधियों से कहना चाहता हूं कि कोई एक ऐसा हफ्ता खोजकर बता दो, जब यहां कोई विकास कार्य न हुआ हो। हम चुनाव जीतने नहीं आए हैं, लोगों का भला करने आए हैं। हम लोगों के आशीर्वाद से चुनाव जीतते हैं। पूर्व में आपके आदिवासी क्षेत्र में जो मुख्यमंत्री हुआ करते थे, तब यहां पानी की एक टंकी तक नहीं हुआ करती थी। उन्होंने हैंडपंप लगवाते तो वे भी दो-तीन महीनों में खराब हो जाते थे। एक बार की बात है गुजरात के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने जामनगर में एक पानी की टंकी का उद्घाटन किया तो गुजरात के अखबारों के पहले पन्ने पर बड़ी खबर छपी थी। गुजरात ने वो दिन भी देखे हैं।

जब मैं सीएम बनकर आया, तब मेरी सरकार ने यहां के गांवो-गांवों में पानी की टंकियां बनवाईं। पानी की व्यवस्था की। आज मुझे आदिवासी क्षेत्र में 3,000 करोड़ रुपये की परियोजना का उद्घाटन करते हुए गर्व हो रहा है। जब मैं 2018 में आया तो लोगों ने कहा, लोकसभा चुनाव की तैयारी है, लेकिन आज वे गलत साबित हो गए हैं। हम चुनाव जीतने के लिए नहीं बल्कि विकास कार्यों के लिए निकले हैं। इसी के चलते हम जीत रहे हैं।

समाज की सेवा आपसे ही सीखी

मैं जब भी यहां आता था तो खाली हाथ ही आया करता था। आपका प्यार और आशीर्वाद से मुझे यहां से कभी भूखा नहीं जाना पड़ता था। आप लोगों ने ही मुझे आदिवासी क्षेत्रों के लिए काम करने का मौका दिया है। मुझे आपसे ही समाज के लिए बहुत कुछ सीखने को मिला है। क्योंकि, आप ही हैं, जो पर्यावरण की रक्षा करते हुए समाज की सबसे बड़ी सेवा करते हैं। डांग जिले को प्राकृतिक खेती में उनके अद्भुत कार्य के लिए मैं बधाई देना चाहता हूं। मेरे जमाने में शुरू हुए साइंस स्ट्रीम के स्कूल ही हैं कि अब आदिवासी बेटों को डॉक्टर बनने के लिए अंग्रेजी सीखने की जरूरत नहीं पड़ती।

सीबीआई विशेष अदालत ने चीनी वीजा घोटाला मामले में भास्कर रमन को दी जमानत

नई दिल्ली। चीनी वीजा घोटाला मामले में आरोपी भास्कर रमन को सीबीआई विशेष अदालत ने जमानत दे दी है। इस दौरान कोर्ट ने अनेश कुमार मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए निर्देश का पालन न करने पर नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है की एजेंसी के पास पिछले पांच सालों से आपत्तिजनक ईमेल थे। कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम के करीबी सहयोगी एस भास्कर रमन को जमानत दे दी थी।

सुको ने रास चुनावों पर राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ याचिका पर जल्द सुनवाई से किया इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर जल्द सुनवाई से इन्कार कर दिया है। यह याचिका राज्य के छह विधायकों की अयोग्यता के संबंध में फैसला होने तक राज्यसभा चुनाव परिणाम की घोषणा पर रोक लगाने के लिए दायर की गई थी। मामले में जस्टिस एमआर शाह और अनिरुद्ध बोस की पीठ ने कहा है कि मुख्य न्यायाधीश की प्रतिक्रिया के बाद याचिका पर सुनवाई की जाएगी। हमने याचिका के बारे में रजिस्ट्री से पूछताछ की है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश को इसकी सूचना दी है, लेकिन अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

दो प्रेमिकाओं से एक मंडप में रचाई शादी-दोनों दुल्हनें बच्चों के साथ मंडप में बैठीं, दूल्हा बोला-प्यार हुआ है, जीवनभर निभाऊंगा

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव में अनोखी शादी हुई। एक युवक ने अपनी दो प्रेमिकाओं से एक ही साथ एक मंडप में शादी रचाई। खास बात यह थी कि दूल्हा दो बच्चों का पिता है। दोनों प्रेमिकाओं से उसे एक-एक बेटी भी है। शादी रचाने के लिए दोनों दुल्हनें अपनी बेटियों को लेकर मंडप में पहुंची थीं। शादी के बाद दूल्हे ने कहा कि मुझे तो दोनों से प्यार हो गया, अब जीवनभर उनका साथ भी दूंगा।

यह शादी केशकाल के ईरागांव क्षेत्र के ग्राम उमला में रचाई गई। ग्राम आडेंगा निवासी दुर्गेश्वरी मरकाम के परिवार वालों ने पहले गांव के रजनसिंह सलाम से शादी का प्रस्ताव रखा था। दोनों की समाज के बीच सगाई भी करा दी गई और दुर्गेश्वरी रहने के लिए रजनसिंह के घर आ गई। कुछ माह बाद उसने एक बेटी को जन्म दिया। इस बीच रजनसिंह को आंवरी की सन्नो बाई गोटा से भी प्रेम हो गया। रजनसिंह और सन्नों का प्रेम प्रसंग इतना आगे बढ़ा कि वह भी गर्भवती हो गई। उसने भी एक बेटी को जन्म दिया। इसका पता जब लोगों को चला तो बातें शुरू हो गईं। इस पर रजनसिंह ने परिवार से बात की। समाज की बैठक हुई और दोनों युवतियों ने रजनसिंह के साथ शादी की हामी भर दी। दोनों को ऐतराज नहीं था। फिर समाज की रजामंदी से रजनसिंह ने दोनों युवतियों से शादी का फैसला ले लिया।

शुक्रवार को मप्र के गृहमंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने दतिया स्थित राजघाट निवास पर स्थानीय नागरिकों से मेल-मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश भी दिए।

आंदोलन कर रहीं महिलाओं की तबीयत बिगड़ी

रायपुर। रायपुर में 41 डिग्री की गर्मी में तेज धूप के बीच चल रहे महिलाओं के आंदोलन में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। शुक्रवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के महापड़ाव अभियान में 2 महिलाओं की तबीयत बिगड़ गई। ये महापड़ाव आंदोलन रायपुर के धरना स्थल पर चल रहा है।

जिन महिलाओं की तबीयत बिगड़ी वह राजनांदगांव जिले की बताई जा रही हैं। आनन-फानन पास के अस्पताल में उन्हें में भेजा गया। एंबुलेंस का काफी देर तक इंतजार किया गया मगर भीड़ भाड़ की वजह से एंबुलेंस के पहुंचने में भी देरी हुई। ऑटो से ही महिलाओं को अस्पताल भेजा गया, बाद में जब एंबुलेंस आई तो दूसरी महिलाओं ने इसकी जानकारी दी।

बसों में भर पहुंची महिलाएं

रायपुर के धरना स्थल पर करीब 30-40 बसों में भरकर 23 जिलों से महिलाएं गुरुवार को ही रायपुर पहुंची हुई हैं । बहुत सी महिलाएं शुक्रवार को भी आईं। अब धरना स्थल पर पैर रखने तक की जगह नहीं है। धरना स्थल पर तो महिलाएं धरने पर बैठे ही हैं? आसपास के चौराहों रेस्टोरेंट चाय की टपरी में भी महिलाओं का जमघट लगा हुआ है।गुरुवार को रायपुर आ चुकी महिलाओं को कहीं कोई आसरा नहीं मिला तो धरना स्थल पर रात बिताई। गर्मी, गंदगी और मच्छर के बीच सड़क पर ही सोकर महिलाओं ने रात काटी। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका कल्याण संघ की सुधा रात्रे ने बताया कि महिलाएं इतनी गर्मी में सड़क पर पड़ी रहीं किसी ने कोई सुध नहीं ली।

इन मांगों की वजह से आंदोलन

यह सभी चाहती है कि इन्हें कलेक्टर दर पर मेहनताना दिया जाए । फिलहाल इन्हें लगभग 6000 रुपये मिलते हैं। पिछले चुनावों में कांग्रेस के घोषणा पत्र में कलेक्टर दर पर मानदेय देने का वादा किया गया था। अब सभी महिलाएं चाहती हैं कि उसी वादे को निभाया जाए।

न्यूज ब्रीफ

बोरे में भरकर बच्ची का अपहरण:भोपाल में पड़ोसी ने दिया बेहोशी का इंजेक्शन; हाथ-पैर बांधे, करंट देकर पीटा

भोपाल। भोपाल के बैरसिया में दो लोग बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर 12 साल की बच्ची को अगवा कर ले गए। आरोपियों में एक योगा टीचर है। दोनों बच्ची के मोहल्ले में ही रहते हैं। आरोपियों ने बच्ची को करंट भी लगाया। हालत बिगड़ने के बाद बच्ची को बोरे में भरकर बंधक बना कर रखा। गुमशुदगी दर्ज करने के बाद पुलिस हरकत में आई। 10 घंटे में बच्ची को बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपियों ने बताया कि उन पर कर्ज हो गया था। ऐसे में बच्ची को बेचकर कर्ज चुकाने की साजिश रची थी। पुलिस के मुताबिक शांतिकुंज में रहने वाली 12 साल की बच्ची 6वीं की छात्रा है। उसके पिता टीचर हैं। बुधवार शाम करीब 6 बजे उसकी मां टेलर की दुकान गई थी। इसी बीच बच्ची भी मां के पीछे-पीछे जाने लगी। इसी दौरान घर के सामने खड़ा योगा टीचर नर्मदा प्रसाद जाटव (24) ने बच्ची को अपने घर में खींच लिया। इसके बाद ग्रीन मैट से उसके हाथ-पैर बांध दिए। मुंह को कपड़े से बांध दिया। इसके बाद आरोपी रिश्तेदार राजकुमार जाटव को बुला लिया। दोनों ने लड़की को बेहोशी का इंजेक्शन दिया। लड़की के बेहोश होने के बाद उसे बोरे में भरकर बाइक से दोनों करीब एक किलोमीटर दूर पंडित दीनदयाल कॉलोनी स्थित रिश्तेदार के मकान पर लेकर पहुंचे। यहां बच्ची को कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसे करंट के झटके दिए। थोड़ी देर बाद दोनों ने कमरे में बाहर से ताला लगा दिया। शाम करीब सात बजे तक जब बेटी नहीं आई, तो परिवारवालों ने तलाश शुरू की। इसके बाद रात करीब नौ बजे पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस भी तुरंत हरकत में आ गई। गुरुवार तड़के करीब चार बजे बच्ची को पुलिस ने राजकुमार जाटव के घर से बरामद किया।

महिला ने सुनी चीख, सीसीटीवी से पकड़ाए:- एसपी देहात किरणलता केरकट्टा ने बताया कि पुलिस ने बच्ची के बारे में इलाके में पूछताछ की। इस बीच मुख्य आरोपी नर्मदा के घर के पास रहने वाली एक महिला ने बताया कि टीचर के घर से बच्ची के चीखने की आवाज आ रही थी। इसी बीच, पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले। इसमें दोनों आरोपी बाइक से जाते दिखे। दोनों बीच में बोरी में कुछ सामान रखे थे। शक के आधार पर पुलिस ने नर्मदा से पूछताछ की, तो उसने बताया कि सब्जी खरीदने गया था।

टिकटों का दंगल : भाजपा की कोर ग्रुप और चुनाव समित की बैठक 11 और 12 जून को होगी

इंदौर में कैलाश-सुमित्रा, ग्वालियर में तोमर-सिंधिया जबलपुर में वीडी-शिवराज के बीच उलझे दावेदारों के नाम

भोपाल

प्रदेश के बड़े शहरों में मेयर के टिकटों को लेकर भाजपा में मारामारी शुरू हो गई है। नगर निगम में मेयर के टिकटों के लिए भाजपा के प्रमुख नेता, सांसद और विधायकों ने अपनी पसंद पर जोर लगाना शुरू कर दिया है। वैसे भाजपा के अंदरूनी सर्वे की रिपोर्ट पर दो से तीन नामों को लेकर कोर कमेटी में चर्चा होगी।

भोपाल और इंदौर में पार्टी किसी नए चेहरे को चुनाव मैदान में उतारकर चौंका सकती है। भाजपा की कोर ग्रुप और चुनाव समित की बैठक 11 और 12 जून को होगी। इस बैठक में कोर ग्रुप और चुनाव समिति के सदस्य बैठकर नगर निगम के मेयर पद के चेहरों के लिए नामों को अंतिम रूप देंगे।

संगठन के सर्वे से तय होंगे उम्मीदवारों के नाम

प्रदेश भाजपा संगठन ने टिकटों के लिए गोपनीय सर्वे कराया है। सर्वे में तीन नाम की पैनल तैयार हुई है। कोर कमेटी में इन नामों पर चर्चा के बाद फायनल सूची जारी होगी।

ग्वालियरः माया और सुमन दौड़ में आगे

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक को चाहते हैं। सर्वे में खुशबू गुप्ता का नाम है। तोमर का समर्थन पूर्व मंत्री माया सिंह को है। सुमन शर्मा को भी सपोर्ट कर सकते हैं। सिंधिया की पसंद सामने नहीं आई है।

भोपाल : संगठन की गाइड लाइन में मालती सबसे आगे

विधायक कृष्णा गौर को टिकट देने के लिए एक गुट सक्रिय है। इससे गोविंदपुरा सीट खाली हो जाएगी। विधायकों को टिकट नहीं देने वाली संगठन की गाइडलाइन से मालती राय का नाम सबसे मजबूत है। मंत्री विश्वास सारंग का समर्थन है, लेकिन तर्क है कि वे दो बार पार्षद का चुनाव हार चुकी हैं। ऐसा ही राजो मालवीय के साथ है। कोई नया चेहरा मैदान में उतारा जा सकता है।

इंदौरः सबसे बड़ी सीट पर कई दावेदार, ब्राह्मण चेहरे पर जोर

कांग्रेस प्रत्याशी संजय शुक्ला के सामने ब्राह्मण चेहरे पर जोर है। विधायक रमेश मेंदोला के लिए राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय लगे हुए हैं। उनकी काट के लिए विधायक मालिनी गौड़ सक्रिय हैं। पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन नए चेहरे के पक्ष में है। पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता दौड़ में है, पर मंत्री उषा ठाकुर विरोध कर रही हैं। ऐसे में संघ की पसंद पर नया चेहरा आ सकता है।

जबलपुरः युवा पर लगा सकते हैं दांव

राज्यसभा के लिए संघ के डॉ. जीतेंद्र जामदार का नाम आया था। वे सीएम की पसंद हैं। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा अभिलाष पांडे की दावेदारी को मदद करेंगे। राकेश सिंह और अजय विश्नोई का सपोर्ट बताकर श्रीराम शुक्ला और कमलेश अग्रवाल भी दावा जता रहे हैं।

सागरः 3 मंत्रियों के बीच फंसा टिकट

तीन मंत्रियों के गढ़ वाले क्षेत्र में समीकरण काफी अलग है। मंत्री भूपेंद्र सिंह प्रतिभा तिवारी की मदद कर रहे हैं। मंत्री गोपाल भार्गव ने प्रतिभा चौबे का नाम बढ़ाया है। गोविंद सिंह राजपूत ने पत्ते नहीं खोले हैं। तीसरा मजबूत नाम ऋतु तिवारी का है। तीनों मंत्री अपना मेयर चाहते हैं।

आज बूथ विजय संकल्प दिवस पर मैंने भोपाल के बूथ क्रमांक 1260 पर बैठक के पश्चात नागरिकों से संवाद किया और शासकीय योजनाओं की जानकारी दी। युवाओं और भाई-बहनों का अपार स्नेह एवं प्यार मिला। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं कि आपका यह विश्वास कभी टूटने नहीं दूंगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सद्गुरू श्री वासुदेव जग्गी के साथ किया पौध-रोपण

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और सद्गुरू श्री वासुदेव जग्गी ने भोपाल के अटल बिहारी वाजपेई सुशासन संस्थान परिसर में बरगद, पीपल और एक्जोरा के पौधे रोपे। मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह उपस्थित थी। श्रीमती साधना सिंह का आज जन्म-दिवस है, इस अवसर पर उन्होंने भी पौध-रोपण किया। मिट्टी बचाओ जन-जागरण अभियान पर निकले सद्गुरू, मोटरसाइकिल से सुशासन संस्थान पहुँचे। मुख्यमंत्री श्री चौहान और श्रीमती साधना सिंह ने औषधीय पौधे भेंट कर उनका स्वागत किया। आज लगाए गए पौधों में बरगद का धार्मिक महत्व है, आयुर्वेद के अनुसार इससे कई बीमारियों का इलाज संभव है। पीपल एक छायादार वृक्ष है। यह पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व है।

एक्जोरा पौधों में लाल, पीले, सफेद और नारंगी फूल के बड़े समूह होते हैं, जो पूरे साल लगातार सदाबहार पत्तियों से गेंद की तरह निकलते हैं।

मिट्टी बचाने के लिए राज्य सरकार ईशा फाउंडेशन के साथ मिलकर करेगी कार्य : मुख्यमंत्री श्री चौहान

» जन-अभियान परिषद और ईशा फाउंडेशन के मध्य हुआ एम.ओ.यू.
» सद्गुरू के संदेश को पहुँचाया जाएगा गाँव और विकासखंड तक
» मुख्यमंत्री और सद्गुरू वासुदेव जग्गी की उपस्थिति में हुए हस्ताक्षर

भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि परम पूज्य सद्गुरू श्री वासुदेव जग्गी के मिट्टी बचाने के संदेश को प्रदेश के हर गाँव और विकासखंड तक ले जाया जाएगा। राज्य सरकार इस दिशा में ईशा फाउंडेशन के साथ मिलकर कार्य करेगी।

मिट्टी बचाने के लिए मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद द्वारा सेव स्वाईल अभियान में जन-जागरण गतिविधियाँ चलाई जायेगी। मिट्टी बचाने के लिए राज्य शासन और ईशा फाउंडेशन जो रोडमेप बनायेंगे, उसे जन-अभियान परिषद और ईशा फाउंडेशन मिलकर क्रियान्वित करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ईशा फाउंडेशन और म.प्र. जन-अभियान परिषद के बीच एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर के बाद मीडिया के प्रतिनिधियों से चर्चा में यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री चौहान और परम पूज्य श्री सद्गुरू वासुदेव जग्गी की उपस्थिति में एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर हुए। यह एम.ओ.यू. मिट्टी बचाने के लिए अभियान संचालित करने के संबंध में है। अटल बिहारी वाजपेई सुशासन संस्थान में संक्षिप्त कार्यक्रम में मध्यप्रदेश जन-अभियान परिषद के महानिदेशक श्री बी.आर. नायडू, उपाध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र जामदार तथा फाउंडेशन के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

We Are One- Veer
PRESS ITDC ITDC NEWS

भोपाल में छात्रा से रेप-कमरे से आ रही आवाज सुन मां की खुली नींद, दरवाजे से झांका तो बेटी के साथ न्यूड दिखा गांव का लड़का

भोपाल

भोपाल में गुनगा इलाके में स्कूली छात्रा के साथ उसके बॉयफ्रेंड ने रेप किया। छात्रा ने पुलिस को बताया कि वह घर के बाहर सो रही थी। रात करीब 12 बजे पड़ोस के गांव का रहने वाला उसका बॉयफ्रेंड घर पहुंचा। वह घसीटकर कमरे में बंद कर लिया। इसके बाद रेप किया। इसी बीच चीख सुनकर मां पहुंची। मां को देखकर आरोपी भाग निकला। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, नामदारपुरा गांव में रहने वाली 18 साल की लड़की स्कूली छात्रा है। वह पास के गांव कलारा में पढ़ने जाती थी। इस बीच गांव के रहने वाले भूपेन्द्र उर्फ राहुल शर्मा से उसकी दोस्ती हो गई। दोनों एक दूसरे से मिलने-जुलने

लगे। यह बात लड़की के परिवार को पता चली। इस पर उन्होंने उसकी पढ़ाई छुड़वा दी। छात्रा ने पुलिस को बताया कि 7 जून की रात वह घर के बाहर सो रही थी। रात करीब 12 बजे राहुल उसके घर पहुंचा। उसने लड़की को हाथ पकड़कर घसीटते हुए कमरे में ले गया। इसके बाद उसके साथ गलत काम किया। तभी कमरे के पास ही पड़ी लड़की की मां को बेटी की आवाज सुनाई पड़ी। वह दरवाजे के बीच गैप में झांककर देखा तो राहुल बेटी के साथ आपत्ति जनक हालत में मिला। मां ने शोर मचा लड़की को उससे अलग किया। तभी आरोपी मौका पाकर भाग निकला। दूसरे दिन थाने आकर लड़की ने आरोपी के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया।

माहभर में तीन-चार बार कर चुका रेप

लड़की ने बताया कि भूपेन्द्र उसके माहभर के अंदर तीन-चार बार रेप कर चुका है। आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देता था। इसलिए लड़की चुप रही। 7 जून को आरोपी ने लड़की को फिर से धमकी देकर उसके साथ गलत काम किया। आरोपी बेरोजगार है। उसका परिवार खेती-किसानी करता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने किया 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम का शुभारंभ

बच्चों के सम्पूर्ण विकास के लिए परिवार के सदस्यों और मैदानी अमले के लिए गाइडेंस की पहल

महिला एवं बाल विकास विभाग और यूनिसेफ के सहयोग से छत्तीसगढ़ में बच्चों के समावेशी विकास के लिए तैयार किए गए लर्निंग कार्यक्रम

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बाल्यावस्था में देखभाल और शिक्षा को बढ़ावा देने की पहल की गई है। नई शिक्षा नीति में भी बाल्यावस्था पर विशेष ध्यान देने की सिफ़ारिश की गई है। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अनिला भेंड़िया ने आज रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बच्चों के समावेशी विकास के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा यूनिसेफ के सहयोग से 'परवरिश के चैम्पियन' और 'नवांकुर' कार्यक्रम को तैयार किया है। इसके माध्यम से बचपन के प्रारंभिक वर्षों को विशेष रूप से भाषा और संज्ञानात्मक विकास को मजबूत बनाने की दिशा में लक्षित किया जाएगा।

'परवरिश के चैम्पियन' कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चे के पालन-पोषण में माता-पिता की उत्तरदायी भूमिका (रिस्पॉन्सिव पेरेंटिंग) शुरू करना है। इसके माध्यम से परिवार को बच्चों के भावनात्मक और शारीरिक जरूरतों के बारे में जानकारी देते हुए, उनके लिए उचित प्रतिक्रिया को बताया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य, पोषण, प्रारंभिक शिक्षा, सुरक्षा और उत्तरदायी देखभाल शामिल है। कार्यक्रम के तहत 'परवरिश के चैम्पियन किट' प्रदान की जाएगी। इसमें वर्णमाला चार्ट, गतिविधि कैलेंडर, रिस्पॉन्सिव पेरेंटिंग के वीडियो, पोस्टर होंगे, जो पालकों को 6 वर्ष तक के बच्चों से व्यवहार और सरल तरीके से बच्चे के विकास के विभिन्न बिन्दुओं पर जानकारी देंगे।

'नवांकुर' कार्यक्रम प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पर एक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम है। इसका उद्देश्य बच्चों की देखभाल और शिक्षा के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पर्यवेक्षकों का क्षमता संवर्धन करना है। इस 8 घण्टे के ट्रेनिंग पाठ्यक्रम में 14 माडयूल हैं। हर माडयूल स्वमूल्यांकन पर आधारित है। इसमें विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की

शिक्षा, देखभाल और आंगनबाड़ियों में उनके समावेशन पर भी फोकस किया गया है। ट्रेनिंग के बाद भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त सर्टिफिकेट भी प्रदान किया जाएगा।

श्रीमती भेंड़िया ने कहा कि छोटे बच्चे अपने परिवार के सदस्यों के साथ ज्यादा समय बिताते हैं, इसलिए परिवार की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बच्चों का सही ढंग से देख-रेख और पोषण हो तो बच्चा सशक्त बनेगा। प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के लिए परिवार आधारित कार्यक्रम 'परवरिश के चैम्पियन' तथा नवीन तकनीक से मैदानी अमले के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण 'नवांकुर' के माध्यम से परिवार को बच्चों की आवश्यकताओं और विकास के संबंध में बेहतर तरीके से समझाया जा सकेगा।

यूनिसेफ के स्टेट हेड श्री जॉब जकारिया ने बताया कि बच्चों का सर्वाधिक विकास 2 साल तक की उम्र तक होता है। इस समय बच्चे अधिकांश समय अपने परिवार के बीच बिताते हैं। माता-पिता के साथ-साथ परिवार को सही गाइडेंस देकर बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को सही दिशा दी जा सकती है। इसके लिए 'परवरिश के चैम्पियन' कार्यक्रम तैयार किया गया है। इसमें खेल खेल में बच्चों का विकास कैसे करें यह बताया जाएगा। इसमे 6 वर्ष से कम उम्र के 25 लाख बच्चे शामिल होंगे। इन बच्चों के माध्यम से उनके पालकों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। 'नवांकुर' आठ घण्टे का ई-लर्निंग प्रोग्राम है, जिसके तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सीडीपीओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। अब तक 51 हजार आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में से 35 हजार कार्यकर्ता का पाठ्यक्रम के लिए पंजीयन हो चुका है। प्रयास है कि आगामी 6 माह में सभी कार्यकर्ता और बाल विकास परियोजना अधिकारी प्रशिक्षित हो जाएं। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग की संचालक श्रीमती दिव्या मिश्रा, विभागीय और यूनिसेफ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कोविड संक्रमण से बचाव और रोकथाम के लिए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश

रायपुर। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने विगत कुछ दिनों से रायपुर जिले में कोविड-19 संक्रमण की धनात्मकता दर में वृद्धि दर्ज को देखते हुए संक्रमण के प्रसार से बचाव और रोकथाम के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विभागीय संचालक ने रायपुर जिले के कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक को पत्र लिखकर आवश्यक कार्यवाही करने कहा है। पत्र में कहा गया है कि कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु मास्क के उपयोग को प्रोत्साहित किया जाए, विशेषकर भीड-भाड़ वाले स्थानों, सार्वजनिक सभागृह, कम हवादार वाले स्थानों इत्यादि में मास्क पहनने हेतु विशेष रूप से प्रेरित किया जाए। सभी पात्र हितग्राहियों को कोविड-19 टीकाकरण की प्रिकॉशन डोज प्रदान किये जाने हेतु विशेष प्रयास करने भी कहा गया है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कोविड टीकाकरण केन्द्र स्थापित करने कहा गया है, जिससे हितग्राहियों को टीकाकरण सेवाएं सुलभता से उपलब्ध हो सके। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने कहा है कि अस्पतालों के ओपीडी एवं आईपीडी में आने वाले इन्फ्लूएंजा जैसे बीमारी से ग्रसित और श्वसन के गंभीर बीमारी के प्रकरणों की अनिवार्य रूप से कोविड-19 हेतु जांच की जाए।

कोविड के अन्य लक्षणों जैसे- डायरिया इत्यादि के साथ भर्ती होने वाले मरीजों की भी कोविड-19 जांच अवश्य की जाए। इसके साथ ही कोविड-19 संक्रमण से बचाव हेतु आम जनता को परस्पर भौतिक दूरी और भीड़-भाड़ वाले स्थानों से यथा संभव बचाव के लिए विशेष प्रयास करने कहा गया है।

न्याय के लिए सर्व आदिवासी समाज का जेल भरो आंदोलन

17 जून को सड़क पर उतरेंगे हजारों लोग

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में 17 जून को सर्व आदिवासी समाज प्रदेशव्यापी जेल भरो आंदोलन करने जा रहा है। समाज के लोगों का कहना है कि प्रदेश में सरगुजा से लेकर बस्तर में चल रहे आदिवासी आंदोलनों में अब तक सरकार की तरफ से किसी तरह का न्याय नहीं मिला है, इसी वजह से प्रदेशभर के आदिवासियों में आक्रोश है। अब प्रदेश के आदिवासी समाज के लोग सड़क पर उतरने की तैयारी कर रहे हैं। हाल ही में समाज की बैठक हुई थी जिसमें आंदोलन के लिए सहमति बनी थी।

सर्व आदिवासी समाज का कहना है कि, बस्तर के सुकमा-बीजापुर जिले की सरहद पर स्थित सिलगेर में मई 2021 में जवानों ने निर्दोष ग्रामीणों को गोली मारी थी। मारे गए लोगों को नक्सली बताया गया था। जांच के बाद पता चला था कि वे किसान और गांव के ग्रामीण थे। लेकिन, अब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई है। न्याय की मांग को लेकर सैकड़ों आदिवासी आंदोलन में बैठे हुए हैं।

समाज के लोगों ने कहा कि, सरगुजा के हसदेव अरण्य परसा कोल को लेकर ग्राम सभा और प्रदेशभर के विरोध के बाद भी आदिवासी गांवों को उजाड़ा जाएगा। लाखों पेड़ काट दिए जाएंगे। इस काम को पूर्णतः बंद करने की मांग को लेकर अब प्रदेश स्तरीय जेल भरो आंदोलन करने के लिए समाज के सदस्य सड़क पर उतरेंगे।

बालोद में भी विरोध

समाज का आरोप है कि, बालोद के डौंडी ब्लॉक में तुएगोंदी में आदिवासी समाज के सदस्य पारंपरिक पूजा कर रहे थे। वहां गुंडे बुलाकर तलवार, लाठी, कांच की बोतलों और पत्थर से हमला किया गया था। जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। जान से मारने की धमकियां दी गईं थी। इसका विरोध भी किया गया था। लेकिन, आरोपियों पर किसी तरह की कोई कार्रवाई नहीं की गई।

दिव्यांग छात्र-छात्राओं को किया गया पुरस्कार राशि का वितरण

बिलासपुर । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला स्तरीय स्वीप कोर कमेटी कार्यक्रम के अंतर्गत ''मेरा वोट मेरा भविष्य है, एक वोट की शक्ति'' की थीम पर दिव्यांग छात्राओं के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के अंतर्गत ऑनलाईन माध्यम से नारा लेखन, पोस्टर डिजाईन, गीत गायन तथा लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी। इन प्रतियोगिताओं में प्रवीण्य सूची में आने वाले दिव्यांग छात्र-छात्राओं को पुरस्कार राशि का वितरण किया गया। इन प्रतियोगिताओं में कक्षा 10 वीं के दिव्यांग छात्र लवसिंह राजपूत, ऋषि अग्रवाल, कु. अरूणिमा रॉय, कु. पूर्णिमा कौशिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं के शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा के छात्र दयाशंकर साहू ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं की शासकीय दृष्टि एवं श्रवण बाधितार्थ विद्यालय तिफरा की छात्रा वंशिका कैवर्त ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

राजीव युवा मितान क्लब के गठन से गांव के युवा रचनात्मक गतिविधियों की ओर हो रहे प्रेरित

सामाजिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में सरकार का महत्वपूर्ण कदम

सरगुजा जिले के जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर राज्य सरकार की योजनाओं को सराहा

रायपुर । रायपुर के साइंस कॉलेज परिसर स्थित डीडीयू आडिटोरियम में विकासपरक राज्यस्तरीय छायाचित्र प्रदर्शनी का आज सरगुजा जिले के पंचायत प्रतिनिधियों ने अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार छत्तीसगढ़ी परंपराओं और संस्कृति से नई पीढ़ी को जोड़ रही है। राज्य में राजीव युवा मितान क्लब गठित किया जा रहा है। इससे गांव के युवा रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित हो रहे हैं। सामाजिक जीवन स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा किया जा रहा प्रयास विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जिले के मैनपाट ब्लॉक के खडगांव, चौनपुर, सलाईनगर, चिड़ापारा और डागबूड़ा और सीतापुर विकासखंड के ग्राम बेलजोरा, भौरादाढ़,आरा, ढोढागांव, पेटला,बिठवा और हरदीसांड के पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी के माध्यम से छत्तीसगढ़ सरकार की जनहितैषी योजनाओं एवं कार्यक्रमों से लोगों के जीवन में आए बदलाव और विकास कार्यों की उपलब्धियों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार की मुख्यमंत्री वृक्षारोपण प्रोत्साहन योजना प्रकृति की रक्षा की अनूठी योजना है जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति भी सुधरेगी। वृक्षारोपण में निजी क्षेत्र की भागीदारी से प्रदेश में हरियाली के साथ शुद्ध पर्यावरण मिलेगा। यह ग्रामीणों की आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगा।

साफ-सफाई के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों ने कसी कमर

बलौदाबाजार। जिलें के समस्त शासकीय कार्यालयों में विशेष साफ-सफाई के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कमर कस ली है।कलेक्टर डोमन सिंह ने आज तैयारियों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश दिए है। कलेक्टर ने कहा कि जिलें के सभी कार्यालयों में सुबह 8 से 10 बजे के बीच में अनिवार्य रूप से साफ-सफाई होनी चाहिए। समस्त विभागों के जिला अधिकारी अपने मैदानी अमले को इस हेतु शत प्रतिशत सूचना एवं जानकारी प्रदान करना सुनिश्चित करें।

साफ-सफाई अभियान के अंतर्गत समस्त स्कूल, कॉलेज, आंगनबाड़ी,स्वास्थ्य केन्द्रों,पंचायत भवन,छात्रावासों,पटवारी कार्यालय, पीडीएस दुकानें,सहकारी बैंक सहित अन्य समस्त कार्यालय एवं उनके परिसरों की स्थान शामिल है। पूरे सफाई अभियान को थर्ड पार्टी के द्वारा निरीक्षण एवं अवलोकन कर उनका मूल्यांकन किया जायेगा। इस थर्ड पार्टी में गांव के वरिष्ठ नागरिक,रिटायर्ड शिक्षक,पेंशनर सदस्य एवं अन्य व्यक्ति शामिल है। कलेक्टर ने विशेष निवेदन करते हुए जिलें के समस्त मिडिया प्रतिनिधियों को अपने-अपने स्तर में भी मूल्यांकन करते हुए साफ-सफाई अभियान से जुड़ने के लिए आग्रह किए है। पूरे साफ-सफाई अभियान की मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण के लिए जिला स्तर से लेकर विकासखण्ड स्तर तक स्पेशल टीम गठित की गई है। जो सुबह 8 से 10 बजे तक जिलें के समुचित गतिविधियों का जायजा लेते हुए नियंत्रण भी रखेंगें। अनुविभाग स्तर में एसडीएम नोडल अधिकारी एवं सहायक अधिकारी के रूप में जनपद पंचायत सीईओ एवं नगरी निकाय के सीएमओ रहेंगें। बैठक में समस्त जिला अधिकारी सहित अनुविभाग मुख्यालयों में एसडीएम सहित अन्य अधिकारी विडियों कान्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। इस मौके पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र गुप्ता, जिला पंचायत डॉ. फरिहा आलम सिद्की,डीएफओ के.आर बढ़ई सहित अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

भतीजे ने कर दी फूफा की बेरहमी से हत्या

बलौदाबाजार। बलौदाबाजार जिले के कसडोल थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात 75 साल के बुजुर्ग की हत्या हो गई। जांच में पता चला कि उसके ही भतीजे ने पीट-पीट कर मार डाला। मामला जमीन विवाद का बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, ग्राम कोसमसरा निवासी बुजुर्ग सौभाग्य चंद रजक अपनी शादी के बाद से ग्राम कोट में घर जमाई था। उसका अपने साले के परिवार के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक बुजुर्ग के साले का बेटा रेखु रजक गुरुवार रात सौभाग्य के घर में घुस गया। दोनों के बीच विवाद होता रहा और फिर रेखु अपने बुजुर्ग फूफ्फू को मारने के लिए दौड़ाया। डरकर बुजुर्ग घर से निकल कर भागा तो पीछे-पीछे रेखु उसे दौड़ाने लगा। रेखू ने सौभाग्य को फेंककर पत्थर मारे जो उसे लग गए और वह गिर गया। तब उसके पास पहुंचकर रेखु ने लाठी से पीट-पीट कर मार डाला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को पता चला कि दोनों परिवारों के बीच जमीन का विवाद है। इस पर परिजनों से पूछताछ की गई और आरोपी को पकड़ने के लिए दो टीमें बनाई। सुबह पुलिस को रेखु के बिलासपुर में छिपे होने का पता चला तो पुलिस ने वहां पहुंचकर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने बताया कि जमीन के मामले में कोर्ट के चक्कर लगाकर थक गया था। इसके कारण हत्या कर दी।

घर से ही पीछा कर मारा पत्थर

घर से निकल कर सौभाग्य गांव में भागा तो पीछे-पीछे रेखु भी दौड़ा। आरोप है कि उसने पीछे से सौभाग्य को पत्थर मारे। सौभाग्य गांव के चौराहे पर गिरा तो रेखु ने उसे लाठी से पीट-पीट कर मार डाला। इसके बाद वहां से भाग निकला। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। ग्रामीणों से पूछताछ में पता चला कि दोनों परिवारों के बीच जमीन विवाद है।

वनांचलों में बसे ग्रामीण आदिवासी जनजातियों के लिए महुवा वृक्ष बना रोजगार का साधन

महिलाओं को मिल रहा महुआ उत्पाद बनाने का प्रशिक्षण

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा का नाम सुनकर लोगों के ज़हन में नक्सलवाद, आर्थिक सामाजिक, पिछड़ापन, घने जंगल दुर्गम पहाड़ी एवं नदी-नालों में बसे गांव आ जाते हैं। परंतु प्रकृति ने इन्ही घनी जंगलों की गोद में महुआ का पेड़ वरदान स्वरूप दिया है। महुआ विशेष रूप से जिले के ग्रामीण जीवन का सांस्कृतिक एवं आर्थिक आधार है। यह न केवल दैनिक जीवन में भोजन और पेय के लिए उपयोग किया जाता है, बल्कि इसे बेचकर आर्थिक आय भी प्राप्त किया जाता है। जंगलों से बीनकर घरों में रखा हुआ महुआ एक संपत्ति के समान होता है, जिसे कभी भी नगदी में बदला जा सकता है। वर्षों से ग्रामीण महुआ संग्रहित कर कम दामों में व्यापारियों को बेच देते है

अब शासन की योजनाओं एवं जिला प्रशासन की पहल से जिले महिलाओं का जन-जीवन बदल रहा है। जिला प्रशासन

के सहयोग एवं मार्गदर्शन में क्षेत्र की किशोरी एवं महिलाएं नए-नए सफल प्रयोग कर रोजगार सृजन करने का काम कर रहें है। ऐसा ही नया और बेहतर कार्य दंतेवाड़ा वन परिक्षेत्र केन्द्रीय काष्ठागार दंतेवाड़ा के प्रसंस्करण केन्द्र व प्रशिक्षण केन्द्र में महुआ के स्वादिष्ट- हलवा, चंक्स, जैम, जेली, कुकीज, बनाकर व्यापार कर रही है। वर्तमान में 30 महिलाएं कार्य कर रही हैं जिनके द्वारा व्यापार कर 1,35,000 रुपए का लाभ कमा चुकी है।

बाजार में 'महुआ' के हलवा, चंक्स, जैम, जेली, कुकीज के ज्यादा मांग एवं स्वास्थ्य वर्धक (कैलोरी, प्रोटीन, फैट, शुगर, आयरन एव विटामिन सी) होने के कारण जिला प्रशासन द्वारा डी0एम0एफ0 फण्ड से 'महुआ' से खाद्य पदार्थों के हेतु प्रसंस्करण केन्द्र व प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की गई है। इन इकाइयों के अधिक उत्पादन के लिए मशीनों की सुविधा दी गई है। वन विभाग के द्वारा इन महिलाओं को प्रशिक्षित कर महुआ को प्रसंस्करण कर इनके पाँच उत्पादों (हलवा, चंक्स, जेम, जेली एवं लड्डू, कुकीज) बना रहे है।

कुपोषण को हराने में मददगार सिद्ध हो रहा महुवा से बना उत्पाद

वर्तमान में प्रतिदिन प्रति उत्पाद 20 कि0ग्रा0 हैं. इस तरह प्रतिदिन 100 किग्रा तक उत्पादों का निर्माण किया जा रहा है। इन उत्पादों के पैकेजिंग मटेरियल प्रारंभिक स्तर देश के विभिन्न शहरों (मुंबई, हैदराबाद, रायपुर) से मंगाए जा रहे है। इकाई को 22000 तथा सर्टिफिकेशन की प्राप्ति हो चुकी है, एवं इन सारे उत्पादों का लैब जाँच प्रयोगशालाओं से कराई जा चुकी है, जांच में अच्छे परिणाम प्राप्त हुए है। इन योजना का लाभ लेकर महिलाएं ग्रामीण अंचल से साफ महुवा खरीद कर, उनके उत्पाद को बाजार में बेचकर अपना व्यवसाय कर रही है। जिला प्रशासन के सहयोग से इन उत्पाद को एनएमडीसी, सीआरपीएफ कैंटीन, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं मुख्यमंत्री सुपोषण योजना में विक्रय किया जा रहा है। इससे महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त होकर आत्मनिर्भर बन रही हैं। एवं जिले के कुपोषण दर में कमी में महुवा से बने उत्पाद मील का पत्थर साबित हो रही है।

कोर्ट के चक्कर से थका, तो मार दिया

इस पर परिजनों से पूछताछ की गई और आरोपी को पकड़ने के लिए दो टीमें बनाई। इस बीच सुबह पुलिस को रेखु के बिलासपुर में छिपे होने का पता चला। वहां से भी रेखु भागने की फिराक में था। इससे पहले ही पुलिस ने पहुंच कर दबोच लिया। पूछताछ में उसने बताया कि जमीन के मामले में कोर्ट में पेशी काट कर थक गया था। इसके कारण गुस्सा था और इसी में हत्या कर दी।

संपादकीय

अलगाव की आग

पंजाब में एक बार फिर अलगाववाद की चिंगारी सुलग उठी है। 'आपरेशन ब्लू स्टार' की अड़तीसवीं बरसी पर स्वर्ण मंदिर में खालिस्तान समर्थक नारे लगे। इसमें कट्टरपंथी सिख संगठनों के अलावा शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) ने भी हिस्सा लिया। अकाल तख्त के जत्थेदार ने 'सिख राज' की मांग उठाते हुए कहा कि इस बार सिख युवकों को बकायदा हथियार चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस मौके पर खालिस्तान के समर्थन में तख्तियां लहराई गईं, कई युवा भिंडरावाले की तस्वीर वाली टी-शर्ट पहन कर आए थे। तलवारें भी लहराई गईं। करीब महीना भर पहले ही पटियाला में 'सिख फार जस्टिस' के स्थापना दिवस पर रैली निकाली गई थी, जिसके विरोध में उतरे शिव सेना (बाला साहब) के कार्यकर्ताओं के साथ भिडंत हुई और खूब पत्थर चले, तलवारें लहराई गईं।ये घटनाएं केंद्र और राज्य दोनों सरकारों के लिए गंभीर चेतावनी हैं। पटियाला हिंसा के बाद राज्य सरकार ने जरूर उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने का दम भरा था, कुछ कार्रवाइयां भी हुईं, पर उसका कोई सख्त संदेश नहीं जा पाया। उसी का नतीजा है कि स्वर्णमंदिर परिसर में फिर से अलगाववाद की आग लहकाने का प्रयास किया गया। अब भी वहां की सरकार सख्त नजर नहीं आ रही। करीब चालीस साल पहले पंजाब अलगाववाद की आग में झुलस चुका है। बहुत सारे परिवार उजड़ गए, बहुत सारे युवक गुमराह होकर अपना भविष्य बर्बाद कर चुके। बड़ी मुश्किल से पंजाब पटरी पर लौटा। अगर फिर से वहां वह आग भड़कती है, तो भयावह नतीजे भुगतने होंगे। हैरानी की बात है कि पंजाब में नई सरकार आने के बाद ही वहां अलगाववादी ताकतें क्यों सक्रिय हो उठी हैं। कुछ लोगों का यह संदेह निराधार नहीं माना जा सकता कि पंजाब विधानसभा चुनाव के वक्त आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर खालिस्तान समर्थकों से नजदीकी बताई गई थी, तब उन्होंने उसका कोई कड़ा विरोध क्यों नहीं किया था। कहीं पंजाब सरकार के मन में अलगाववादी ताकतों को लेकर कोई मुलायम भावना तो नहीं। अगर ऐसा है, तो यह न केवल पंजाब, बल्कि पूरे देश के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। भारत जैसे गणतंत्र में कोई भी राज्य इस तरह अलग होने या स्वतंत्र राज की मांग नहीं उठा सकता। छिपी बात नहीं है कि खालिस्तान समर्थक कट्टरपंथी संगठनों को बाहर से समर्थन मिलता रहा है। यहां तक कि सिख फार जस्टिस के नेता पन्नू के पाकिस्तानी आतंकवादी संगठनों से संबंध भी उजागर हैं। पाकिस्तान अपने यहां प्रशिक्षित आतंकियों को घुसपैठ करा कर या फिर यहां युवाओं को गुमराह कर अस्थिरता पैदा करने की लगातार कोशिश करता रहा है। अगर सिख फार जस्टिस और दूसरे कट्टरपंथी, अलगाववादी संगठनों के प्रति नरम रवैया अपनाया गया और वे इसी तरह अपना दायरा बढ़ाते गए, तो उनके जरिए पाकिस्तान जैसे देश अपने मंसूबे पूरे करने की कोशिश करेंगे। आतंकवाद पर नकेल कसना पहले ही सरकार के सामने बड़ी चुनौती है, तिस पर एक शांत हो चुके मामले की राख कुरेद कर कोई फिर से आग जलाने का प्रयास करे, तो यह नई परेशानी खड़ी कर सकता है। यह वहां की सरकार की बड़ी नाकामी मानी जाएगी। हालांकि इन घटनाओं को लेकर केंद्र सरकार को भी सावधान हो जाने की जरूरत है। बेशक पंजाब सरकार और केंद्र के बीच दलगत प्रतिद्वंद्विता हो, पर उसे देश की सुरक्षा के मामले में आड़े नहीं आने देना चाहिए। बातचीत और बल दोनों तरीकों से इस आग को फिर से भड़कने से रोका जाना चाहिए।

मोहन भागवत ने वही कहा है जो गांधीजी और अटलजी कहा करते थे

(डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के तर्कों को अगर मुहावरों की भाषा में कहना है तो उनका तर्क यह है कि गड़े मुर्दे अब क्यों उखाड़ना? मंदिर हो या मस्जिद, दोनों ही पूजा-स्थलों पर भगवान का नाम लिया जाता है। हिंदू लोग किसी भी पूजा-पद्धति के विरोधी नहीं हैं।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक ऐसा बयान दे दिया है, जिसे सुनकर देश के कांग्रेसी, वामपंथी और मुस्लिम संगठन दांतों तले उंगली दबा लेंगे। ये सभी लोग आरोप लगा रहे थे कि काशी और मथुरा में भी मंदिर और मस्जिद का झंगड़ा संघ के इशारों पर खड़ा किया जा रहा है लेकिन लेकिन मुसलमान तो स्वदेशी हैं। मोहनजी ने वही बात दोहराई जो अटलजी कहा करते थे। अटलजी का एक प्रसिद्ध बयान था कि मुसलमानों की रगों में वही खून बहता है, जो हिंदुओं की रगों में बह रहा है। मोहन भागवत ने तो यहां तक कह दिया है कि भारत के हिंदुओं और मुसलमानों का डीएनए भी एक ही है।

हिंदू धर्म और अन्य पश्चिमी मजहबों में यही फर्क है कि हिंदू जीवन शैली सभी पूजा-पद्धतियों को बर्दाश्त करती है। मध्यकाल से यह वाक्य बहुत प्रचलित था कि 'अंदर से शाक्त हूं, बाहर शैव हूं और सभा मध्य मैं वैष्णव हूं।'' भारतीयों घरों में आपको ऐसे अनगिनत घर मिल जाएंगे, जिनके कुछ सदस्य आर्यसमाजी, कुछ सनातनी, कुछ जैनी, कुछ राधास्वामी, कुछ रामसनेही और कुछ कृष्णभक्त होंगे। वे सब अपने-अपने पंथ को श्रद्धापूर्वक मानते हैं लेकिन उनके बीच कोई झगड़ा नहीं होता। मेरे ऐसे दर्जनों मित्र–परिवार हैं जिनमें पति–पत्नी अलग–अलग मजहबों और धर्मों को मानने वाले हैं। मोहनजी के कहने का सार यही है, जो गांधीजी कहते थे, सर्वधर्म समभाव ही भारत का धर्म है। भारत धर्म है। इसी भारत धर्म को हमारे मुसलमान, ईसाई, यहूदी और बहाई लोग भी तहे-दिल से मानने लगें तो कोई सांप्रदायिक विवाद भारत में कभी हो ही नहीं सकता। यह ठीक है कि कई अभारतीय धर्मों के भारत में फैलने के मुख्य आधार भय, लालच और वासना रहे हैं लेकिन यह भी सत्य है कि इन विदेशी धर्मों ने उनके अपने देशों को कई अंधकूपों से निकालकर प्रकाशमान भी किया है। उनके अपने देशों में उनकी भूमिका काफी क्रांतिकारी रही है। यदि उस क्रांतिकारी भूमिका और भारत की परंपरागत धर्मदृष्टि में उचित समन्वय हो सके तो वह सर्वश्रेष्ठ मानव धर्म बन सकता है। वही सच्चा भारत धर्म कहलाएगा।

मोहन भागवत के तर्कों को अगर मुहावरों की भाषा में कहना है तो उनका तर्क यह है कि गड़े मुर्दे अब क्यों उखाड़ना? मंदिर हो या मस्जिद, दोनों ही पूजा-स्थलों पर भगवान का नाम लिया जाता है। हिंदू लोग किसी भी पूजा-पद्धति के विरोधी नहीं हैं। यह ठीक है कि मुसलमानों की पूजा-पद्धति स्वदेशी नहीं है। उनकी पूजा-पद्धति चाहे विदेशी है लेकिन मुसलमान तो स्वदेशी हैं। मोहनजी ने वही बात दोहराई जो अटलजी कहा करते थे। अटलजी का एक प्रसिद्ध बयान था कि मुसलमानों की रगों में वही खून बहता है, जो हिंदुओं की रगों में बह रहा है।

नागपुर के एक संघ-समारोह के समापन भाषण में उन्होंने दो-टूक शब्दों में यह स्पष्ट कर दिया कि मस्जिदों को तोड़कर उनकी जगह मंदिर बनाने के पक्ष में संघ बिल्कुल नहीं है। यह ठीक है कि विदेशी आक्रमणकारियों ने अपना वर्चस्व जमाने के लिए सैंकड़ों-हजारों मंदिरों को भ्रष्ट किया। उनकी जगह उन्होंने मस्जिदें खड़ी कर दीं। लेकिन यह इतिहास का विषय हो गया है। उस इतिहास को अब दोहराना क्यों? यदि इतिहास को दोहराएंगे तो रोज़ एक नया मामला खड़ा हो जाएगा। ''ज्ञानवापी के मामले में हमारी श्रद्धा परंपरा से चलती आई है। ...वह ठीक है लेकिन हर मस्जिद में शिवलिंग क्यों देखना?''

मोहन भागवत के तर्कों को अगर मुहावरों की भाषा में कहना है तो उनका तर्क यह है कि गड़े मुर्दे अब क्यों उखाड़ना? मंदिर हो या मस्जिद, दोनों ही पूजा-स्थलों पर भगवान का नाम लिया जाता है। हिंदू लोग किसी भी पूजा-पद्धति के विरोधी नहीं हैं। यह ठीक है कि मुसलमानों की पूजा-पद्धति स्वदेशी नहीं है। उनकी पूजा-पद्धति चाहे विदेशी है

कश्मीर में लक्षित हत्या हो या बाकी देश में किसी को निशाना बनाए जाए की घटना, दोनों के प्रभाव-दुष्प्रभाव होते हैं। आखिर नूपुर शर्मा या नवीन कुमार जिंदल तक बात क्यों आई? प्रवक्ताओं की हिम्मत क्यों बढ़ी, यह भी देखना पड़ेगा। हिम्मत इसलिए भी बढ़ी, क्योंकि गांधी, गोडसे, धर्म को लेकर कुछ नेता अलग तरह की बयानबाजी करते रहे हैं। ऐसे पचास नाम हैं, जो हर दिन नफरत भरे भाषण देते रहते हैं। पार्टी कोई हो, बड़े लोग अगर नफरत भरे भाषण देंगे और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी, तो प्रवक्ताओं तक क्या संदेश पहुंचता है? यहां गलतबयानी का विरोध न करना भी एक तरह से उसका समर्थन करना ही है। बहुत सारे लोगों को यह लगने लगा है कि वे नफरत भरे भाषण देकर पार्टी में अपनी ताकत और लोगों में अपनी लोकप्रियता बढ़ा सकते हैं। नूपुर शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष रही हैं, तो पढ़ी-लिखी हैं, लेकिन वास्तव में ऐसे लोग पार्टी में जल्दी से जल्दी जगह बनाने की होड़ में लगे हैं। कुछ विवादित बोलकर जल्दी से जल्दी ताकत अर्जित करने में कई लोग लगे हैं। सांसद नवनीत राणा भी यही कर रही हैं। आखिर किसी मुख्यमंत्री के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की कैसी जिद थी?

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय

(विजय त्रिवेदी, वरिष्ठ पत्रकार)

ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय।
औरन को शीतल करे, आपहुं शीतल होय।।

कबीर का यह दोहा अनायास मन में गूंज रहा है। सचमुच, हमारी संस्कृति में पहले ही यह कहा गया है कि बोलने में संयम बहुत महत्वपूर्ण है। क्या बोल रहे हैं, कैसे बोल रहे हैं, किसको बोल रहे हैं। वक्त भी महत्वपूर्ण होता है, आपकी किसी से दोस्ती है, माहौल अच्छा है, तो आप कुछ गलत भी बोल जाते हैं, स्वीकार्य हो जाता है। पर जब परस्पर खाई बन रही हो, दूरी बन रही हो, नाराजगी बढ़ रही हो, तब छोटी-छोटी टिप्पणियां भी गंभीर हो जाती हैं। गलत बोला हुआ, गहरे घाव करने लगता है।

यह बात जाहिर है कि पिछले कुछ समय से तनाव व दूरियां बढ़ रही हैं। सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव बढ़ रहा है। नतीजतन, लोग गलत बोलते चले जा रहे हैं और माहौल बिगड़ता जा रहा है। अब नाराजगी हिन्दुस्तान से बाहर तक पहुंच गई है। समाज में लगातार ऐसा हो रहा है और शासन-प्रशासन इसे नजरंदाज कर रहा है, तो लोगों की नाराजगी बढ़ रही है। प्रवक्ता ने पहली बार ऐसा नहीं बोला था, जब प्रवक्ताओं ने ऐसा बोलना शुरू किया, तभी उनको रोकना चाहिए था। यह गैर-वाजिब व्यवहार है, जो लगातार चल रहा है।

यह महत्वपूर्ण बात है कि सरसंघचालक ने चार दिन पहले ही इशारा किया था कि वह ज्ञानवापी मुद्दे को बढ़ाना नहीं चाहते, उस पर कोई आंदोलन नहीं करेंगे। लगभग यही बात 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया था, तब प्रधानमंत्री ने भी कही थी। तब इतिहास को छोड़कर आगे बढ़ने की बात भी हुई थी। संघ ने भी कहा था कि मंदिर आंदोलन उसने चलाया जरूर था, लेकिन लोग अब इतिहास और गलतियों को भूल जाएं। इसके बाद भी लगातार तनाव बढ़ा है, जो पूरे देश को मथ रहा है। ज्ञानवापी ही नहीं, मथुरा, कुतुब मीनार, ताजमहल को लेकर भी अनेक बातें हो रही हैं। इन सबसे सामाजिक विभाजन बढ़ रहा है। मामला केवल बयानबाजी का नहीं है।

पिछले दिनों लाउडस्पीकर हटाने की बात तब हुई, जब रमजान का महीना चल रहा था। हालांकि, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जब लाउडस्पीकर हटाने के आदेश दिए, तब उन्होंने सबसे पहले अपने मठ से हटवाए। हम आमतौर पर यही कहते हैं कि नेतागण खुद वह नहीं करते, जिसकी नसीहत दूसरों को देते हैं। दुर्भाग्य से इसके बावजूद सामाजिक तनाव बढ़ा, क्योंकि रमजान के वक्त में लाउडस्पीकर हटाए गए।

कश्मीर में लक्षित हत्या हो या बाकी देश में किसी को निशाना बनाए जाए की घटना, दोनों के प्रभाव-दुष्प्रभाव होते हैं। आखिर नूपुर शर्मा या नवीन कुमार जिंदल तक बात क्यों आई? प्रवक्ताओं की हिम्मत क्यों बढ़ी, यह भी देखना पड़ेगा। हिम्मत इसलिए भी बढ़ी, क्योंकि गांधी, गोडसे, धर्म को लेकर कुछ नेता अलग तरह की बयानबाजी करते रहे हैं। ऐसे पचास नाम हैं, जो हर दिन नफरत भरे भाषण देते रहते हैं। पार्टी कोई हो, बड़े लोग अगर नफरत भरे भाषण देंगे और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होगी, तो प्रवक्ताओं तक क्या संदेश पहुंचता है? यहां गलतबयानी का विरोध न करना भी एक तरह से उसका समर्थन करना ही है। बहुत सारे लोगों को यह लगने लगा है कि वे नफरत भरे भाषण देकर पार्टी में अपनी ताकत और लोगों में अपनी लोकप्रियता बढ़ा सकते हैं। नूपुर शर्मा दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रसंघ अध्यक्ष रही हैं, तो पढ़ी-लिखी हैं, लेकिन वास्तव में ऐसे लोग पार्टी में जल्दी से जल्दी जगह बनाने की होड़ में लगे हैं। कुछ विवादित बोलकर जल्दी से जल्दी ताकत अर्जित करने में कई लोग लगे हैं। सांसद नवनीत राणा भी यही कर रही हैं। आखिर किसी मुख्यमंत्री के घर के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की कैसी जिद थी? यह तेजी से सस्ती लोकप्रियता हासिल करने की होड़ है। कई धर्म संरक्षक संगठन बनने लगे हैं। सबको अपने हिसाब से जल्दी से जल्दी अपनी जगह बनानी है। मजहबी मामलों में बड़े राजनेताओं को आखिर क्यों बोलना चाहिए? यह कहां तक उचित है कि अजान के जवाब में हनुमान चालीसा का इस्तेमाल किया जाए?

जहर से जहर काटने की कहावत है, लेकिन यहां तो इस कोशिश में जहर बढ़ता जा रहा है। सामाजिक तनाव को खत्म करने की जिम्मेदारी सबकी है, लेकिन शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी सबसे अधिक होती है। जब आप नफरत फैलाने की कोशिश को नहीं रोकते हैं, तब उससे दूसरों को भी बढ़ावा मिलता है। ओवैसी और उनके भाई को भी बढ़ावा मिलता है। कई टीवी चैनल तो आग में घी डालने के काम में काफी आगे बढ़ गए हैं। इन चैनलों ने मिलकर सैकड़ों ओवैसी और सैकड़ों नूपुर शर्मा खड़े कर दिए हैं।

यह सही है कि भारत में किसी बड़ी पार्टी का कोई बड़ा नेता असंवेदनशील बातें नहीं कह रहा, पर बड़े नेताओं के सामने अपने अंक बढ़ाने के लिए कथित नेता-प्रवक्ता बहुत कुछ गलत करते चले जा रहे हैं। ध्यान रहे, बंटवारे के समय भी ऐसा माहौल नहीं था। साल 1992 में भी ऐसा माहौल नहीं बना था। ऐसे माहौल का कुल नतीजा यह है कि हम दंगों तक पहुंच जाते हैं। कानपुर में यही तो हुआ।

अब इसमें कोई दोराय नहीं कि विपक्षी पार्टियां बहुत कमजोर हो गई हैं, उनकी आवाज ही नहीं है। उनको खड़ा होना चाहिए, लेकिन वे नहीं होती हैं। जब ये पार्टी प्रवक्ता बुरा बोल रहे थे, तब ध्यान नहीं दिया गया, लेकिन जब कतर, ओमान, मालदीव, ईरान, इंडोनिशया जैसे देशों से प्रतिक्रिया आई, तब सरकार और पार्टी हरकत में आई। विदेश मंत्रालय की भूमिका भी बहुत अच्छी नहीं रही। उसने चीजों को देर से समझा है। उप-राष्ट्रपति की कतर यात्रा के दौरान वहां राजदूत को बुलाया जाए, यह बड़ी गंभीर घटना है। बढ़ती सांप्रदायिकता को चुपचाप नहीं देखना चाहिए। सरकारों को हरकत में आना चाहिए और लोगों को लगना चाहिए कि शासन-प्रशासन निष्पक्षता के साथ सही काम कर रहे हैं। जो लोग टीवी या अन्य मंचों से नफरत फैला रहे हैं, क्या उनके खिलाफ कार्रवाई हो रही है? कोई कुछ भी बोल जाएगा और हम कुछ भी नहीं करेंगे? जब विदेश में नाराजगी होगी, तभी कार्रवाई करेंगे? कहा जाता है कि तलवार से पैदा घाव भर जाते हैं, लेकिन जुबान से पैदा घाव नहीं भरते हैं। जुबान को संभालकर ही इस्तेमाल करना चाहिए। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पृथ्वी के अस्तित्व का आधार है पर्यावरण

(शंकर सुवन सिंह)

प्रकृति व मानव एक दूसरे के पूरक हैं। प्रकृति के बिना मानव की परिकल्पना नहीं की जा सकती। प्रकृति दो शब्दों से मिलकर बनी है। प्र और कृति। प्र अर्थात प्रकृष्टि (श्रेष्ठ/उत्तम) और कृति का अर्थ है रचना। ईश्वर की श्रेष्ठ रचना अर्थात सृष्टि। प्रकृति से सृष्टि का बोध होता है। प्रकृति अर्थात वह मूलत्व जिसका परिणाम जगत है। कहने का तात्पर्य प्रकृति के द्वारा ही समूचे ब्रह्माण्ड की रचना की गई है। प्रकृति दो प्रकार की होती है- प्राकृतिक प्रकृति और मानव प्रकृति। प्राकृतिक प्रकृति में पांच तत्व- पृथ्वी,जल,अग्नि,वायु और आकाश शामिल हैं। मानव प्रकृति में मन, बुद्धि और अहंकार शामिल हैं। प्रकृति और मनुष्य के बीच बहुत गहरा संबंध है। मनुष्य के लिए प्रकृति से अच्छा गुरु नहीं है। पृथ्वी मां स्वरुप है। प्रकृति जीवन स्वरुप है। पृथ्वी जननी है। प्रकृति पोषक है। पृथ्वी का पोषण प्रकृति ही पूरा करती है। जिस प्रकार माँ के आँचल में जीव जंतुओं का जीवन पनपता या बढ़ता है तो वहीँ प्रकृति के सानिध्य में जीवन का विकास करना सरल हो जाता है। पृथ्वी जीव जंतुओं के विकास का मूल तत्व है। प्रकृति के बिना मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। विकास और आधुनिकता की दौड़ में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाना ठीक नहीं है। हम प्रकृति से दूर जा रहे हैं। झरना,नदी, झील और जंगल देखने के लिए हमें बहुत दूर जाना पड़ता है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने का खामियाजा हम समय-समय पर भुगत भी रहे हैं। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी बादल फटते हैं। कहीं धरती में पानी सूख रहा है तो कहीं की जमीन आग उगल रही है। ये सब क्लाइमेट चेंज की वजह से ही हो रहा है। पेडों के कटने से हवा इतनी दूषित हो गई है कि शहरों में सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग से गर्मी अपनी चरम सीमा पर है। अत्यधिक गर्मी का पड़ना डायरिया, ब्रेन स्ट्रोक आदि बीमारियों का कारण बनता है। शहरों की लाइफ तो पर्यावरण और प्रकृति से बहुत दूर हो गई है। यहां रहने वाले लोगों को ऐसी बीमारियां हो रही हैं जो पहले न कभी सुनी और न कभी लोगों ने देखी। इन सबकी वजह कहीं न कहीं हमारी खराब होती दैनिक दिनचर्या भी है। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पूरी दुनिया में पर्यावरण को बचाने के लिए जागरुकता अभियान चलाया जाता है। इसीलिए हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस साल विश्व पर्यावरण दिवस 2022 की थीम है ङ्क'ओनली वन अर्थ' यानी केवल एक पृथ्वी रखी गई है। जिसका मतलब है कि 'प्रकृति के साथ सदभाव में रहना' जरुरी है। जलवायु किसी स्थान के वातावरण की दशा को व्यक्त करने के लिये प्रयोग किया जाता है। यह शब्द मौसम के काफी करीब है। जलवायु और मौसम में कुछ अन्तर है। जलवायु बड़े भूखंडो के लिये बड़े कालखंड के लिये ही प्रयुक्त होता है जबकि मौसम अपेक्षाकृत छोटे कालखंड के लिये छोटे स्थान के लिये प्रयुक्त होता है। पूर्व में पृथ्वी के तापमान के बारे में अनुमान बताते हैं कि यह या तो बहुत अधिक था या फिर बहुत कम। मुख्य रूप से,सूर्य से प्राप्त ऊर्जा तथा उसका हास् के बीच का संतुलन ही हमारे पृथ्वी की जलवायु का निर्धारण और तापमान संतुलन निर्धारित करती हैं। यह ऊर्जा हवाओं,समुद्र धाराओं और अन्य तंत्र द्वारा विश्व भर में वितरित हो जाती हैं तथा अलग-अलग क्षेत्रों की जलवायु को प्रभावित करती है।

पहले माई-बाप समझी जाती थी सरकार, पिछले 8 सालों से यह जनता की सेवक बन गयी है

वर्ष 2014 से पहले अखबार की सुर्खियों में किसकी बात होती थी? टेलीविजन चैनलों में किसकी चर्चा होती थी? आज वक्त बदल चुका है। आज चर्चा होती है सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ की। आज चर्चा होती है दुनिया में भारत के स्टार्टअप की, आज चर्चा होती है भारत के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की, आज चर्चा होती है भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के साथ आगे बढ़ने की। आज चर्चा जन-धन खातों से मिलने वाले फायदों की हो रही है, जनधन-आधार और मोबाइल से बनी त्रिशक्ति की हो रही है। पहले रसोई में धुआं सहने की मजबूरी थी, आज उज्ज्वला योजना से सिलेंडर पाने की सहूलियत है। पहले खुले में शौच की बेबसी थी, आज घर में शौचालय बनवाकर सम्मान से जीने की आजादी है।

(प्रो. संजय द्विवेदी)

गरीब का जब रोजमर्रा का संघर्ष कम होता है, जब वो सशक्त होता है, तब वो अपनी गरीबी दूर करने के लिए नई ऊर्जा के साथ जुट जाता है। इसी सोच के साथ सरकार पहले दिन से गरीब को सशक्त करने में जुटी है। उसके जीवन की एक-एक चिंता को कम करने का प्रयास कर रही है।

जीवन में जब हम बड़े लक्ष्यों की तरफ आगे बढ़ते हैं, तो कई बार ये देखना भी जरूरी होता है कि हम चले कहां से थे, शुरुआत कहां से की थी। और जब उसको याद करते हैं, तभी तो हिसाब-किताब का पता चलता है कि कहां से निकले और कहां पहुंचे, हमारी गति कैसी रही, हमारी प्रगति कैसी रही, हमारी उपलब्धियां क्या रहीं। किसी सरकार के लिए पूर्ण बहुमत के साथ 8 साल का समय पूरा करना भी ऐसा ही पुनर्मूल्यांकन का समय है। लेकिन इसके लिए 2014 से पहले के दिनों को याद करना भी आवश्यक है, तब जाकर आज के दिनों का मूल्य समझ आएगा।

वर्ष 2014 से पहले अखबार की सुर्खियों में किसकी बात होती थी? टेलीविजन चैनलों में किसकी चर्चा होती थी? आज वक्त बदल चुका है। आज चर्चा होती है सरकारी योजनाओं से मिलने वाले लाभ की। आज चर्चा होती है दुनिया में भारत के स्टार्टअप की, आज चर्चा होती है भारत के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की, आज चर्चा होती है भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के साथ आगे बढ़ने की। आज चर्चा जन-धन खातों से मिलने वाले फायदों की हो रही है, जनधन-आधार और मोबाइल से बनी त्रिशक्ति की हो रही है। पहले रसोई में धुआं सहने की मजबूरी थी, आज उज्ज्वला योजना से सिलेंडर पाने की सहूलियत है। पहले खुले में शौच की बेबसी थी, आज घर में शौचालय बनवाकर सम्मान से जीने की आजादी है। पहले इलाज के लिए पैसे जुटाने की बेबसी थी, आज हर गरीब को आयुष्मान भारत का सहारा है। पहले ट्रिपल तलाक का डर था, अब अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ने का हौसला है। 2014 से पहले देश की सुरक्षा को लेकर चिंता थी, आज सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक का गर्व है, हमारी सीमा पहले से ज्यादा सुरक्षित है। पहले देश

का नॉर्थ ईस्ट अपने असंतुलित विकास से, भेदभाव से आहत था। आज हमारा नॉर्थ ईस्ट दिल से भी जुड़ा है और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर से भी जुड़ रहा है। सेवा, सुशासन और गरीबों के कल्याण के लिए बनी योजनाओं ने लोगों के लिए सरकार के मायने ही बदल दिए हैं। अब सरकार माई-बाप नहीं है, अब सरकार सेवक है। अब सरकार जीवन में दखल देने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को आसान बनाने के लिए काम कर रही है। हम लोग अक्सर सुनते हैं कि सरकारें आती हैं, जाती हैं, लेकिन सिस्टम वही रहता है। नरेंद्र मोदी सरकार ने इस सिस्टम को गरीबों के लिए ज्यादा संवेदनशील बनाया और उसमें निरंतर सुधार किए। पीएम आवास योजना हो, स्कॉलरशिप देना हो या फिर पेंशन योजनाएं, टेक्नोलॉजी की मदद से भ्रष्टाचार का स्कोप कम से कम कर दिया है। जिन समस्याओं को पहले स्थाई मान लिया गया था, अब उसके स्थाई समाधान% के प्रयास हो रहे हैं। जब सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का लक्ष्य हो, तो कैसे काम होता है, इसका एक उदाहरण हैडायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) स्की। इस योजना के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक किसान परिवारों के बैंक खाते में सीधे 21 हज़ार करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। ये हमारे छोटे किसानों की उनके सम्मान की निधि हैं। बीते 8 साल में ऐसे ही डीबीटी के जरिए सरकार ने 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा सीधे देशवासियों के अकाउंट में ट्रांसफर किए हैं। और ऐसा नहीं हुआ कि 100 पैसे भेजे, तो पहले 85 पैसे लापता हो जाते थे। आज जितने पैसे भेजे गए, वो पूरे के पूरे सही पते पर, सही लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे गए हैं। आज इस योजना की वजह से सवा दो लाख करोड़ रुपए की लीकेज रुकी है। पहले यही सवा दो लाख करोड़ रुपए बिचौलियों के हाथों में चले जाते थे। इसी डीबीटी की वजह से देश में सरकारी योजनाओं का गलत लाभ उठाने वाले 9 करोड़ से ज्यादा फर्जी नामों को सरकार ने लिस्ट से हटाया है। पहले फर्जी नाम कागजों में चढ़ाकर गैस सब्सिडी, बच्चों की पढ़ाई के लिए भेजी गई फीस, कुपोषण से मुक्ति के लिए भेजा गया पैसा, सब कुछ लूटने का देश में खुला खेल चल रहा था। अगर कोरोना के समय यही 9 करोड़ फर्जी नाम कागजों में रहते, तो क्या गरीब को सरकार के प्रयासों का लाभ मिल पाता? गरीब का जब रोजमर्रा का संघर्ष कम होता है, जब वो सशक्त होता है, तब वो अपनी गरीबी दूर करने के लिए नई ऊर्जा के साथ जुट जाता है। इसी सोच के साथ सरकार पहले दिन से गरीब को सशक्त करने में जुटी है। उसके जीवन की एक-एक चिंता को कम करने का प्रयास कर रही है। आज देश के 3 करोड़ गरीबों के पास उनके पक्के और नए घर हैं, जहां आज वो रहने लगे हैं। देश के 50 करोड़ से ज्यादा गरीबों के पास 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की सुविधा है। 25 करोड़ से अधिक गरीबों के पास 2-2 लाख रुपए का एक्सीडेंट इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस है। लगभग 45 करोड़ गरीबों के पास जनधन बैंक खाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा, जो सरकार की किसी न किसी योजना से जुड़ा न हो और वो योजना उसे लाभ न देती हो। नरेंद्र मोदी सरकार ने गांव में रहने वाले 6 करोड़ परिवारों को साफ पानी के कनेक्शन से जोड़ा है। 35 करोड़ मुद्रा लोन देकर गांवों और छोटे शहरों में करोड़ों युवाओं को स्वरोजगार का अवसर दिया है।

एक नहीं 5 तरह का होता है मलेरिया बुखार

मच्छरों से होने वाली बीमारियों का कहर लोगों को परेशान कर रहा है। यही वह मौसम होता है जब लोग मलेरिया और डेंगू जैसी मच्छरों से होने वाली बीमारियो से सबसे ज्यादा पीड़ित रहते हैं। आम तौर पर लोग मलेरिया के बारे में सिर्फ इतना ही जानते हैं कि मलेरिया बुखार मच्छरों से होने वाला एक तरह का संक्रामक रोग है। पर क्या आपको यह पता है कि मलेरिया एक नहीं बल्कि 5 तरह का होता है। आइए जानते हैं क्या है मलेरिया, इसके लक्षण और बचाव के उपाय क्या हैं।

क्या है मलेरिया

मलेरिया बुखार मच्छरों से होने वाला एक तरह का संक्रामक रोग है। जो फीमेल एनोफिलीज मच्छर के काटने से होता है। इस मादा मच्छर में एक खास प्रकार का जीवाणु पाया जाता है जिसे डॉक्टरी भाषा में प्लाज्मोडियम नाम से जाना जाता है। एक नहीं 5 तरह का होता है मलेरिया मलेरिया फैलाने वाली इस फीमेल एनोफिलीज मच्छर में जीवाणु की 5 जातियां होती हैं।इस मच्छर के काटते ही व्यक्ति के शरीर में प्लाज्मोडियम नामक जीवाणु प्रवेश कर जाता है। जो रोगी के शरीर में पहुंचकर कई गुना वृद्धि करके लिवर और रक्त कोशिकाओं को संक्रमित करके व्यक्ति को बीमार बना देती है।

मलेरिया के लक्षण

- बुखार, पसीना आना
- शरीर में दर्द
- उल्टी आना

मलेरिया से बचाव

इस रोग से बचने के लिए घर के आस-पास गंदगी और पानी इकठ्ठा न होने दें। ठहरे हुए पानी में मच्छर पैदा न हो इसके लिए बारिश शुरू होने से पहले ही घर के पास की नालियों की सफाई और सड़कों के गड्ढे आदि भरवा लें। घर के आस-पास समय-समय पर कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करवाते रहें। इस मौसम में मच्छरों से बचने के लिए शरीर को पूरी तरह से ढकने वाले कपड़े पहनें।

मलेरिया के प्रकार

प्लास्मोडियम फैल्सीपैरम
इस रोग से पीड़ित व्यक्ति एकदम बेसुध हो जाता है।लगातार उल्टियां होने से इस बुखार में व्यक्ति की जान भी जा सकती है।

सोडियम विवैक्स
विवैक्स परजीवी ज्यादातर दिन के समय काटता है। ज्यादातर लोग इस तरह के मलेरिया बुखार से पीड़ित होते हैं। यह मच्छर बिनाइन टर्शियन मलेरिया पैदा करता है जो हर तीसरे दिन अर्थात 48 घंटों के बाद अपना असर दिखाना शुरू करता है।

प्लाज्मोडियम ओवेल मलेरिया
मलेरिया का यह रूप बिनाइन टर्शियन मलेरिया उत्पन्न करता है।

प्लास्मोडियम मलेरिया
प्लास्मोडियम मलेरिया एक प्रकार का प्रोटोजोआ है, जो बेनाइन मलेरिया के लिए जिम्मेदार होता है। इस रोग में क्वार्टन मलेरिया उत्पन्न होता है, जिसमें मरीज को हर चौथे दिन बुखार आ जाता है।इसके अलावा रोगी के यूरिन से प्रोटीन निकलने लगते हैं और शरीर में प्रोटीन की कमी होकर सूजन आ जाती है।

प्लास्मोडियम नोलेसी
दक्षिण पूर्व एशिया में पाया जाने वाला एक प्राइमेट मलेरिया परजीवी है। इस मलेरिया से पीड़ित रोगी में सिर दर्द, भूख ना लगना जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं।

ज्यादा देर सोने से होते हैं बड़े नुकसान

छुट्टी के दिन देर तक सोने का मन ज्यादातर हर व्यक्ति का करता है। लेकिन समस्या तब हो जाती है जब ऐसा करना आपकी आदत में शामिल हो जाए और धीरे-धीरे आपको स्वास्थ्य समस्याएं परेशान करने लगे। जी हां ज्यादा देर सोने से आपको मोटापे से लेकर शुगर जैसी बड़ी परेशानियां घेर सकती हैं। आइए जानते हैं ज्यादा देर सोने से होते हैं कौन से बड़े नुकसान।

डायबिटीज

ज्यादा देर सोने से व्यक्ति की फिजिकल एक्टिविटी ना के बराबर हो जाती है और उसका शुगर लेवल बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है। जर्नल पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक 9 घंटे से ज्यादा नींद लेने से व्यक्ति के शरीर में शुगर का खतरा बढ़ जाता है।

दिल के रोग

अमेरिकन एकेडमी ऑफ स्लीप मेडिसिन में छपी स्टडी की मानें तो अधिक नींद लेने से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस स्टडी के मुताबिक जो महिलाएं 9 से 11 घंटे की नींद लेती हैं उनमें दिल के रोग होने की संभावना 38 प्रतिशत तक बढ़ जाती है।

डिप्रेशन की संभावना

आपको जानकर हैरानी होगी कि जरूरत से ज्यादा सोना भी डिप्रेशन का कारण बन सकता है। हाल ही में पीएलओएस में छपी एक स्टडी के मुताबिक ज्यादा सोना डिप्रेशन का कारण बन सकता है। इतना ही नहीं अधिक देर सोने से व्यक्ति के भीतर सुस्ती बनी रहती है और उसका मन रोजाना के काम में भी नहीं लगता है।

मोटापा

ज्यादा देर सोने की वजह से फिजिकल एक्टिविटी न के बराबर हो जाती है। व्यक्ति अधिकतर समय अपना खाकर, बैठकर या फिर सोकर गुजार देता है। जो आगे चलकर वजन और मोटापा बढ़ने का कारण बनता है। इतना ही नहीं इसकी वजह से पाचन क्रिया धीमी होने लगती है और व्यक्ति को कब्ज की समस्या भी परेशान करने लगती है।

आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं घर के बर्तन

क्या आप अपने घर में प्लास्टिक के प्लेट या बर्तनों में भोजन करते हैं,अगर हां तो जल्दी ही आप डायबिटीज और हृदय रोगों का शिकार हो जाएंगे। यकीन नहीं आता है तो यहां पढ़ें कैसे घर के बर्तन आपको इन बीमारियों का शिकार बना सकते हैं।

भारत में हमेशा से ही जितना भोजन पर ध्यान दिया जाता है, उससे कहीं ज्यादा आप किस बर्तन में भोजन कर रहे हैं, इस पर ध्यान दिया जाता है। आज के समय में लोग ज्यादातर प्लास्टिक की डिजाइनर प्लेटों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। यही नहीं, रेस्टोरेंट में भी देखा गया है कि स्टील की थाली और कटोरी कम ही उपयोग में लाई जाती हो। लेकिन यह सेहत के लिए कतई अच्छी नहीं है। बहुत कम लोग इस बात की जानकारी रखते हैं कि हर तरह के बर्तन के अपने ही गुण और अवगुण होते हैं। शायद आपने सुना भी होगा कि तांबे के गिलास में पानी पीना बहुत ज्यादा फायदेमंद होता है। लेकिन इनमें अगर प्लास्टिक के बर्तनों की बात करें, तो इनमें कोई गुण नहीं होता। बल्कि यह आपको हृदय रोग, डायबिटीज और कैंसर जैसी बीमारियों से संक्रमित कर सकती हैं। ऐसे में आपके लिए यह जानना बेहद जरूर है कि सेहतमंद रहने के लिए आपको किस चीज के बने हुए बर्तन में भोजन करना चाहिए। भारत के गरीब और मध्यवर्गीय घरों में सबसे ज्यादा स्टील के बर्तनों का ही उपयोग किया जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बर्तन लंबे समय तक चलते हैं। जबकि बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टील तेल और एसिड और ग्रीस पर रिएक्ट नहीं करता। यही नहीं स्टील के बर्तनों में आयरन मौजूद होता है जो आपके शरीर में रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करने के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर किसी को एनीमिया की शिकायत है तो उसे स्टील की प्लेट में भोजन करने से लाभ हो सकता है। इसके अलावा स्टील के बर्तनों को रिसाइकिल करना भी बेहद आसान होता है। कुल मिलाकर स्टील एक टिकाऊ और स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद बर्तन है जिसका उपयोग भोजन करने के लिए किया जा सकता है।

सिरेमिक के बर्तन होते हैं केमिकल फ्री

आज के समय में सिरेमिक के बर्तन सबसे ज्यादा चलन में हैं। यह बर्तन चीनी मिट्टी के नाम से भी जाने जाते हैं। चीनी मिट्टी के बर्तनों को तैयार करने के लिए, मिट्टी को अधिक तापमान पर गर्म किया जाता है। बहुत से लोगों ने सिरेमिक के बर्तनों के अंदर भोजन पकाना भी शुरू कर दिया है। आप भी इन बर्तनों का उपयोग कर सकते हैं। यह आपके भोजन को लंबे समय तक स्वस्थ रखते हैं क्योंकि इनमें किसी तरह का कोई भी रसायन मौजूद नहीं होता।

मेटाबॉलिज्म तेज करता है तांबे का बर्तन

तांबे के बर्तनों का उपयोग पहले के समय में बहुत अधिक किया जाता था। बताया जाता है कि तांबे का संबंध सूर्य और आग से होता है। तांबे की थाली में भोजन करने से अग्नि में वृद्धि होती है। जिसके कारण आपका मेटाबॉलिज्म तेज होता है इसके अलावा भी तांबे की थाली या बर्तन में भोजन करने के कई फायदे हैं जो कुछ इस प्रकार हैं।

तांबे के बर्तन में खाने के फायदे

- वजन घटाने में
- बॉडी को डिटॉक्सिफाई करने में
- हीमोग्लोबिन बढ़ाने में
- पाचन शक्ति बढ़ाने में
- हृदय रोग से बचाने में
- ब्लड प्रेशर को संतुलित करें

- स्किन को बेहतर करें और बढ़ती उम्र के असर को कम करें
- जोड़ों के दर्द और मस्कुलर दर्द से राहत

आयुर्वेद देता है चांदी में भोजन करने की सलाह

चांदी का उपयोग यूं तो लोग आमतौर पर गहनो के तौर पर करते हैं। लेकिन आयुर्वेद लंबे समय से चांदी के बर्तनों में भोजन करने की पैरवी करता आ रहा है। आयुर्वेद के मुताबिक चांदी के बर्तनों में ऐसे गुण होते हैं, जो आपको बदलते मौसम के साथ होने वाली बीमारियों से बचाता है। कुल मिलाकर अगर आप चांदी के बर्तन में भोजन करते हैं या पानी पीते हैं, तो यह आपको पूरी तरह स्वस्थ रखता है।

चांदी के बर्तन में खाना खाने के फायदे

- चांदी के बर्तनों में अर्क होता है जो आपके मस्तिष्क की शक्ति में बढ़ोतरी करता है।
- अगर नन्हे शिशुओं को चांदी के बर्तन में दूध पिलाया जाए तो अधिक स्वस्थ रहते हैं।
- चांदी के गिलास में पानी पीना भी बहुत फायदेमंद माना जाता है। दरअसल चांदी के अंदर ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो पानी के अंदर मौजूद किसी भी तरह की अशुद्धियों से लड़ने का कार्य करते हैं।

याददाश्त तेज करता है सोने का बर्तन

सोने का उपयोग आज भारतीय महिलाएं गहनों के तौर पर ही करती हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब लोग सोने के बर्तनों में ही खाना खाया करते थे। वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं जो आज भी सोने के बर्तनों में ही भोजन करना पसंद करते हैं। आपको बता दें कि सोने के बर्तन में भोजन करने से आपकी याददाश्त तेज होती है। ऐसे में सोने के बर्तन का उपयोग अल्जाइमर की बीमारी में भी फायदेमंद होता है। यही नहीं आयुर्वेद के अनुसार सोने के बर्तनों में भोजन करने से वात पित्त और कफ दोषों को भी संतुलित किया जा सकता है।

केले के पेड़ का पत्ता

दक्षिण भारत के अंदर किसी धातु या प्लास्टिक के बर्तन का उपयोग नहीं किया जाता। बल्कि वहां केले के पेड़ के पत्तों को ही थाली की तरह इस्तेमाल में लिया जाता है। यहां के लोगों का मानना है कि केले के पत्ते पर भोजन करने से भोजन का स्वाद बेहतर होता है और इससे भूख भी बढ़ती है। साथ ही केले के अंदर एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। साथ ही यह एक इको फ्रेंडली भी है।

कोलेस्ट्रॉल और हाई ब्लड प्रेशर का पक्का इलाज है ये फल

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है।

धरती पर विभिन्न तरह के फल पाए जाते हैं और हर फल के अपने अलग-अलग फायदे हैं। फलों में विभिन्न तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर के बेहतर कामकाज के लिए जरूरी हैं। फलों के नियमित से विभिन्न बीमारियों से बचने में मदद मिलती है। ऐसा ही एक जबरदस्त फल है अनार, जिससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। हार्वर्ड मेडिकल एक्सपर्ट्स इस बात पर चिंता जाहिर करते हैं कि अमेरिका में बहुत से लोगों को अनार के बारे में नहीं पता है और न ही खाया है।

क्लीवलैंड क्लिनिक की डाइटीशियन जूलिया जम्पानो ने बताया है कि अनार में न सिर्फ कम कैलोरी होती है बल्कि विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर यह फल कई रोगों का इलाज कर सकता है। एक अध्ययन में हार्वर्ड के डॉक्टरों ने भी माना है कि अनार एक एक शक्तिशाली फल है, जिसे खाने और इसका रस पीने से हाई ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, कैंसर और दिल से जुड़े रोगों से बचने में मदद मिल सकती है। चलिए जानते हैं कि रोजाना अनार खाने से आपको क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

एंटीऑक्सिडेंट और कैंसर से लड़ने वाले गुण

जम्पानो कहती हैं कि अनार में एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो कोशिकाओं को विषाक्त पदार्थों से बचाने में मदद करते हैं और डीएनए को डैमेज होने से बचाते हैं, जिससे कैंसर हो सकता है। गंदे कोलेस्ट्रॉल को करता है बाहर हार्वर्ड की रिपोर्ट बताती है कि अध्ययनों से पता चलता है कि अनार का रस हानिकारक एलडीएल यानी गंदे कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम करने और हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन को बनाता है मजबूत

अनार की फाइबर सामग्री पाचन को स्वस्थ रखने में मदद करती है। आपको इसका रस पीने के बजाय पूरा फल खाना चाहिए। आधा कप अनार के दानों में 72 कैलोरी, 35 ग्राम फाइबर और 12 ग्राम शुगर होती है।

प्रोस्टेट को रखता है दुरुस्त

अनार के रस को प्रोस्टेट कैंसर वाले पुरुषों में प्रोस्टेट-स्पेसिफिक एंटीजन लेवल को स्थिर करने के लिए जाना जाता है। कुछ शोधों में पाया गया है कि अनार के रस में मौजूद घटक कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को बढ़ावा देने वाले रासायनिक तत्वों को कमजोर करके उनकी गति को रोकने में मदद कर सकते हैं।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

अनार के लाल दानों में मौजूद एलाजिक एसिड और एंथोसायनिन जैसे एंटीऑक्सिडेंट यौगिक हाई ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम कर सकते हैं। इतना है नहीं यह धमनी की दीवारों पर जमा फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य गंदे पदार्थों को हटा सकते हैं, जो रक्त वाहिकाओं को बंद करते हैं। एक दिन में एक कप अनार का रस पीने से दिल को स्वस्थ रखने में मदद मिल सकती है।

कॉफी पीने से 30 प्रतिशत घटती है मौत की आशंका

जॉन्स हॉपकिन्स मेडिसिन द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार कॉफी पीने से मौत का खतरा 30 प्रतिशत कम हो जाता है। इसके साथ ही कॉफी पीने से तीव्र गुर्दे की चोट में भी फायदा होता है। रिपोर्ट के अनुसार, किडनी इंटरनेशनल रिपोर्ट्स जर्नल में 5 मई को प्रकाशित निष्कर्ष बताते हैं कि जो लोग हर दिन किसी भी मात्रा में कॉफी पीते थे, उनमें एकेआई का 15 प्रतिशत कम जोखिम था, जो कि पीने वाले समूह में सबसे बड़ी कमी देखी गई थी। शोधकर्ताओं ने पाया है कि कॉफी पीने से मृत्यु की आशंका घटती है। एनल्स ऑफ इंटर्नल मेडिसिन में प्रकाशित रिसर्च का निष्कर्ष है कि जिन लोगों ने एक चम्मच शुगर के साथ डेढ़ से लेकर साढ़े तीन कप कॉफी प्रतिदिन पी थी, उन लोगों के कॉफी ना पीने वालों की तुलना में मरने का खतरा 30 प्रतिशत कम रहा। शोधकर्ताओं ने ब्रिटेन में बड़े मेडिकल डेटा बेस यूके बायोबैंक से कॉफी पीने के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। उन्होंने सात वर्ष तक 37 से 73 वर्ष की आयु के बीच एक लाख 70 हजार लोगों की जीवनशैली, खानपान से सम्बन्धित जानकारी पर नजर डाली है। शोध के अनुसार कैफीन युक्त और बिना कैफीन की कॉफी पीने वालों में मौत का खतरा कम पाया गया है। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल में मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.क्रिस्टीना वी कहती हैं, ऐसी बहुत कम चीजें हैं जो मौत का खतरा 30 प्रतिशत घटाती हैं। पहले भी कई शोधों में कॉफी पीने से स्वास्थ्य को कई फायदों के संकेत मिले हैं। हम पहले से ही जानते हैं कि नियमित रूप से कॉफी पीने से टाइप 2 मधुमेह, हृदय रोग और यकृत रोग सहित पुरानी और अपक्षर्यी बीमारियों की रोकथाम के साथ जुड़ा हुआ है। कॉफी पीने से मृत्यु कम होने के साथ बुढ़ापे की बीमारी पार्किंसंस, दिल की बीमारियों, टाइप-2 डायबिटीज, लिवर प्रोस्टेट कैंसर सहित कई बीमारियों की आशंका घटती है। विशेषज्ञों का कहना है कि कॉफी में एंटीऑक्सीडेंट अधिक होने से शरीर की कोशिकाओं का नुकसान रुकता या कम होता है।

उप्र में कानपुर हिंसा के बाद जुमे की नमाज

नूपुर पर कार्रवाई की मांग को लेकर प्रयागराज-सहारनपुर में पथराव, मुरादाबाद में उग्र प्रदर्शन

लखनऊ

कानपुर में तीन जून को हुए दंगे के बाद आज शुक्रवार को जुमे की पहली नमाज हो रही है। पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट है। हालांकि, इसके बाद भी यूपी के तीन शहरों से नमाज के बाद उग्र प्रदर्शन की खबरें हैं। प्रयागराज में नमाज के बाद भीड़ ने प्रोटेस्ट किया और जमकर पत्थरबाजी की गई। मुरादाबाद में उग्र भीड़ ने %नूपुर शर्मा को फांसी दो% की तख्तियों-बैनर के साथ प्रदर्शन किया। सहारनपुर में जुमे की नमाज के बाद अल्लाह-हू-अकबर के नारे लगे। दहशत में आस-पास की दुकानों के शटर गिर गए। इसके बाद यहां पथराव किया गया है। प्रयागराज में घरों से पुलिस पर पथराव किया गया है। पुलिस भी जवाब में फेंके जा रहे पत्थरों को उठाकर फेंक रही है। सहारनपुर में भीड़ इतनी उग्र हो गई थी कि पुलिस को लाठीचार्ज भी सजा पड़ा। जवाब में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पत्थरबाजी भी की। हालांकि, अब सब कंट्रोल में है। एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने कहा कि सहारनपुर में भीड़ ज्यादा हो गई थी, लेकिन अब हालात काबू में कर लिए गए हैं।

बिजनौर में सोशल मीडिया के जरिये सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। गोरखपुर में जुमे की नमाज को लेकर एडीजी जोन अखिल कुमार खुद सड़क पर उतरे। लखनऊ की टीले वाली मस्जिद पर भारी पुलिस बल तैनात है। ज्वाइंट कमिश्नर पुलिस लॉ एंड ऑर्डर पीयूष समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, 4 सेंट्रल समेत छह कंपनियां पीएसी की तैनात हैं। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीवी नाथ सिन्हा ने बताया कि जुम्मे की नमाज को लेकर राजधानी लखनऊ को 9 जोन 36 सेक्टर में बांटा गया है।

- प्रयागराज में नमाज के बाद सड़कों पर उतरी नमाजियों की भीड़, उग्र प्रदर्शन।
- मुरादाबाद में नमाज के बाद नूपुर शर्मा का सिर कलम करने का पोस्टर बैनर लेकर सड़कों पर उतरे।
- सहारनपुर में जामा मस्जिद से नमाजी भीड़ के साथ घंटाघर पहुंचे और डीआईजी डॉक्टर प्रीतिंदर की मौजूदगी में काफी हंगामा किया।

एक परिवार के 18 लोग मुसलमान से हिंदू बने

रतलाम में गोबर-गोमूत्र से नहाए; 3 पीढ़ी बाद सनातन धर्म में वापसी

नई दिल्ली।

मध्यप्रदेश में 15 दिन के अंदर मुस्लिम से हिंदू बनने का दूसरा बड़ा मामला सामने आया है। इस बार रतलाम के आम्बा में 18 लोगों ने मुस्लिम धर्म त्याग कर हिंदू धर्म अपनाया। परिवार के मुखिया मोहम्मद शाह अब राम सिंह बन गए हैं। भीमनाथ मंदिर में महा शिवपुराण की पूर्णाहुति पर गुरुवार को स्वामी आनंदगिरी महाराज के सान्निध्य में सभी ने गोबर और गोमूत्र से नहाकर जनेऊ धारण किया। इसके पहले सभी ने शपथ-पत्र तैयार किया। इसमें उन्होंने बिना किसी दबाव के धर्म बदलने की बात लिखी। इससे पहले इस परिवार के मुखिया ने स्वामी आनंदगिरी के पास जाकर धर्म परिवर्तन करने की इच्छा जाहिर की थी। महज 13 दिन पहले मंदसौर में शेख जफर शेख पिता गुलाम मोइनुद्दीन शेख ने हिंदू धर्म अपनाया था। अब वे चेतन सिंह राजपूत के नाम से जाने जाते हैं। उनकी पत्नी पहले ही हिंदू धर्म से हैं। शेख जफर ने भगवान पशुपतिनाथ मंदिर प्रांगण में धर्म परिवर्तन किया था। घूम-घूमकर जड़ी-बूटियां और ताबीज बेचने वाले 55 साल के मोहम्मद शाह ने परिवार और रिश्तेदारों के साथ धर्म परिवर्तन किया। इससे पहले वह स्वामी आनंदगिरी महाराज से मिले और धर्म परिवर्तन करने की बात कही। उन्होंने इसकी मंजूरी दी तो शाह ने न्यायालय में शपथ-पत्र बनवा लिए। स्वामी जी ने भीमनाथ मंदिर के पास बने कुंड में पूरे परिवार को गोबर, गोमूत्र से स्नान कराया। जनेऊ धारण कर भगवा वस्त्र पहनाकर जयश्री राम, जय महाकाल और सनातन धर्म के जयघोष के नारे भी लगवाए। मोहम्मद शाह धर्म परिवर्तन के बाद अब राम सिंह बन गए हैं। उन्होंने बताया कि दो-तीन पीढ़ी पहले उनके परिजन बोदी समाज के होकर पुंगी बजाने का काम करते थे। इसके बाद रोजगार की तलाश में जुड़ी-बूटियां बेचने और ताबीज बनाने को लेकर इधर-उधर घूमने लगे और मुस्लिम धर्म अपना लिया था। पिछले कुछ समय से गांव में रहने के बाद से ही हिंदू धर्म में रुचि बढ़ने लगी थी।

राजस्थान में वोटिंग को लेकर विवाद

भाजपा की शोभारानी ने कांग्रेस को दिया वोट; हरियाणा-कर्नाटक में भी क्रॉस वोटिंग

नई दिल्ली

चार राज्यों की 16 राज्यसभा सीटों के लिए शुक्रवार को वोटिंग जारी है। इनमें राजस्थान की 4, हरियाणा की 2, महाराष्ट्र की 6 और कर्नाटक की 4 सीटें शामिल हैं। चारों राज्यों में वोटिंग को लेकर उठापटक देखी जा रही है। राजस्थान में भाजपा की शोभारानी ने कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद तिवारी को वोट दिया है। उधर कर्नाटक में भी के. श्रीनिवास गौड़ा ने कहा, %मैंने कांग्रेस को वोट दिया है क्योंकि मुझे वह पार्टी पसंद है।% हरियाणा में कांग्रेस के दो वोट रद्द हो गए हैं। किरण चौधरी और बीबी बत्रा ने एजेंट के अलावा दूसरे व्यक्ति को वोट दिखाया था।की दरअसल, राज्यसभा की 57 पर चुनाव होने थे, लेकिन 41 सीटों पर प्रत्याशी निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं। राजस्थान में बीजेपी को झटका लगा है। धौलपुर से बीजेपी विधायक शोभारानी कुशवाह ने वोट डालने में गलती कर दी है। चर्चा है कि शोभारानी ने कांग्रेस के प्रमोद तिवारी को वोट दे दिया है।सूत्रों के मुताबिक भाजपा के दो वोट खारिज हो सकते हैं। शोभारानी के अलावा बांसवाड़ा के गढ़ी से भाजपा विधायक कैलाश चंद मीणा से भी वोट डालने में गलती हुई है। उनका वोट खारिज हो सकता है, सीसीटीवी देखकर फैसला होगा।

बीजेपी का गुजरात मिशन : नवसारी में पीएम मोदी ने कहा -

कोई एक ऐसा हफ्ता खोजकर बता दो, जब यहां कोई विकास कार्य न हुआ हो

गुजरात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज गुजरात की यात्रा पर हैं। यहां उन्होंने नवसारी जिले में 3,050 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें क्षेत्र में जल आपूर्ति में सुधार लाने और जीवनयापन आसान बनाने पर केंद्रित परियोजनाएं शामिल हैं। इससे पहले पीएम ने खुडवेल में आदिवासियों की विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, गुजरात गौरव अभियान का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व का पल है। यह भी मेरे लिए गर्व की बात है कि आज मेरी सभी में 5 लाख लोग एकत्रित हुए हैं। इतनी बड़ी संख्या में तो लोग मेरे मुख्यमंत्री के कार्यकाल में भी नहीं आते थे। यह सब कुछ गुजरा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सीआर पाटिल के प्रयासों से ही संभव हो पाया है।

एक समय यहां पानी की एक टंकी तक नहीं होती थी

चुनाव का मतलब काम नहीं, चुनौती है। मैं विरोधियों से कहना चाहता हूं कि कोई एक ऐसा हफ्ता खोजकर बता दो, जब यहां कोई विकास कार्य न हुआ हो। हम चुनाव जीतने नहीं आए हैं, लोगों का भला करने आए हैं। हम लोगों के आशीर्वाद से चुनाव जीतते हैं। पूर्व में आपके आदिवासी क्षेत्र में जो मुख्यमंत्री हुआ करते थे, तब यहां पानी की एक टंकी तक नहीं हुआ करती थी। उन्होंने हैंडपंप लगवाते तो वे भी दो-तीन महीनों में खराब हो जाते थे। एक बार की बात है गुजरात के एक पूर्व मुख्यमंत्री ने जामनगर में एक पानी की टंकी का उद्घाटन किया तो गुजरात के अखबारों के पहले पन्ने पर बड़ी खबर छपी थी। गुजरात ने वो दिन भी देखे हैं। **हम चुनाव जीतने नहीं, विकास कार्यों के लिए निकले हैं:-** जब मैं सीएम बनकर आया, तब मेरी सरकार ने यहां के गांवो-गांवों में पानी की टंकियां बनवाईं। पानी की व्यवस्था की। आज मुझे आदिवासी क्षेत्र में 3,000 करोड़ रुपये की परियोजना का उद्घाटन करते हुए गर्व हो रहा है।

न्यूज ब्रीफ

चीन की नई चालःदेश के गद्दारों का नाम बताओ, 11 लाख रुपए तक का इनाम पाओ; विदेशी खतरों से निपटने की तैयारी

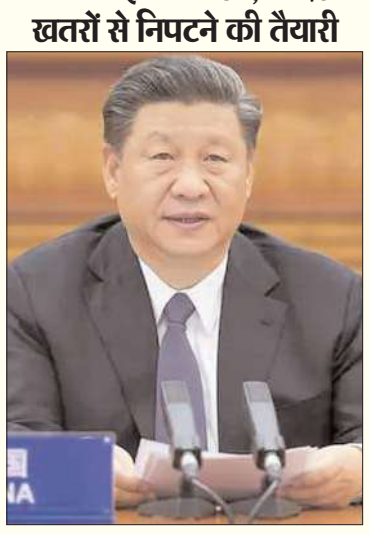

नई दिल्ली। चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर इनामी योजना शुरू की है। चीन सरकार ने देश की सुरक्षा के लिए खतरों की जानकारी देने वाले नागरिकों को इनाम देने की घोषणा की है। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, देश की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली चीजों की खोज से जुड़ी जानकारी या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े खतरे के बारे में जानकारी देने वाले को 11.6 लाख रुपए तक का इनाम दिया जा सकता है। देश के विरोधियों और गद्दारों की जानकारी देने पर भी इनाम दिया जाएगा।

विदेशी खुफिया एजेंसियों के खतरों से निपटने के लिए इनामी योजना की घोषणा की गई है। नए नियमों के तहत सूचना देने वाले को 10 हजार से 1 लाख युआन के बीच कोई भी इनाम दिया जाएगा।

लोगों को एकजुट बनाए रखने की योजना

सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स का कहना है कि चीन ने राष्ट्रीय सुरक्षा उल्लंघनों के प्रति सतर्क रहने के लिए अपने नागरिकों को प्रोत्साहित किया है। इसमें बच्चों को भी संभावित खतरों की तलाश में रहना सिखाया जाना शामिल है। दरअसल चीन राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर लोगों को एकजुट रखना चाहता है।

सलमान को धमकी वाला लेटर खुद लॉरेंस ने लिखा

गिरफ्तार शूटर सौरभ महाकाल का दावा- यह चिट्ठी गोल्डी बराड़ ने सलीम खान को थमाई

नई दिल्ली

बॉलीवुड सुपर स्टार सलमान खान को धमकी भरा खत मिलने के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने बड़ा खुलासा किया है। दरअसल, मुंबई क्राइम ब्रांच लॉरेंस के करीबी सौरभ महाकाल से पूछताछ करने पुणे पहुंची थी। पूछताछ में उसने बताया कि सलमान खान को यह चिट्?ठी गैंगस्टर लॉरेंस की ही तरफ से भेजी गई थी। मामले में खुलासा होने के बाद पुलिस की 6 टीमें देश के अलग-अलग हिस्सों में निकल गई हैं।

जालोर से तीन लोग मुंबई आए थे:- न्यूज एजेंसी ANI की रिपोर्ट के अनुसार, मुंबई पुलिस ने बताया कि जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस ने ही सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी भरा खत लिखा था। लॉरेंस की गैंग से तीन लोग राजस्थान के जालोर से मुंबई में चिट्ठी छोड़ने आए थे। चिट्?ठी छोड़ने के बाद तीनों ने आरोपी सौरभ महाकाल से भी मुलाकात की थी। पुलिस के मुताबिक, सौरभ ने यह भी बताया कि गोल्डी बराड़ के ही जरिए सलीम खान तक खत पहुंचाया गया था। मुंबई पुलिस ने आगे यह भी बताया, क्राइम ब्रांच ने खत डालने वाले लोगों की पहचान कर ली है। उनसे जुड़े कुछ सुराग भी मिले हैं। जल्द ही उनको पकड़ लिया जाएगा।

लॉरेंस का करीबी है विक्रम

विक्रमजीत बराड़ राजस्थान के हनुमानगढ़ का रहने वाला है। वह राजस्थान के कुख्यात गैंगस्टर आनंदपाल सिंह का करीबी था, लेकिन उसके एनकाउंटर के बाद वह लॉरेंस की गैंग से जुड़ गया। अब यह लॉरेंस का करीबी है और यही उसके सारे काम करता है।

यूक्रेन के लिए लड़ने गए 3 विदेशियों को सजा-ए-मौत

रूस समर्थित इलाके की कोर्ट ने सुनाया फैसला; पुतिन ने अपनी तुलना पीटर द ग्रेट से की

कीव

रूस के खिलाफ जंग में यूक्रेन की मदद के लिए गए 3 लोगों को रूस की एक अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। यूक्रेन में रूस समर्थित डोनबास इलाके की इस अदालत ने यह फैसला सुनाया। हालांकि, जिस अदालत ने यह सजा सुनाई है उसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता नहीं दी गई है। ब्रिटेन और यूक्रेन ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। यह अदालत डोनेट्स्क में है, जिसे जंग की शुरूआत में रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने आजाद घोषित किया था। ब्रिटेन के नागरिकों एडन आसलिन और शॉन पिनर के साथ मोरक्को में रहने वाले ब्राहिम सौदून पर पेशेवर कातिल होने के आरोप लगाए गए। इसके अलावा तीनों को सैन्य गतिविधि और आतंकवाद का भी दोषी ठहराया गया।

रिहाई की कोशिश जारी

कोर्ट का फैसला आने के बाद इन लोगों के वकीलों ने कहा कि वे फैसले के खिलाफ अपील करेंगे। वहीं, ब्रिटिश सरकार ने कहा- दोनों लोगों को रिहा कराने के लिए यूक्रेन के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। ब्रिटेन की विदेश मंत्री लिज ट्रस ने भी अदालत के फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा कि इस फैसले की कोई वैधता नहीं है। एडेन आसलिन और शॉन पिनर के परिवारों ने कहा कि दोनों 2018 से ही यूक्रेन में रह रहे हैं और यूक्रेन की सेना में सेवा दे रहे हैं। पिनर और आसलिन ने अप्रैल के बीच में यूक्रेन के मारियुपोल में रूसी समर्थक बलों के सामने सरेंडर कर दिया था। वहीं, ब्राहिम ने इस साल मार्च में यूक्रेन के पूर्वी शहर वोलनोवखा में सरेंडर किया था। इससे पहले रूस की सेना ने कहा था कि यूक्रेन के लिए लड़ रहे विदेशी, सैनिक नहीं हैं और पकड़े जाने पर उन्हें सजा दी जा सकती है।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल

itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज़ ब्रीफ

मोहम्मद सालाह और सैम केर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए

लंदन। लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को इंग्लैंड में उनके साथी पेशेवर फुटबॉलरों ने दूसरी बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना, जबकि महिला वर्ग में चेल्सी की स्ट्राइकर सैम केर को यह सम्मान मिला। सालाह पेशेवर फुटबॉलर्स संघ का यह पुरस्कार एक से अधिक बार जीतने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस सत्र में प्रीमियर लीग में 23 गोल किये और 14 गोल करने में मदद की। सालाह ने कहा, 'मेरे पास ट्राफियों के लिये एक कमरा है और मैंने सुनिश्चित किया कि मेरे पास एक और जगह होनी चाहिए। मैं हमेशा जगह बनाकर रखता हूं और कल्पना करता हूं कि ट्राफियां आने वाली हैं। केर ने महिला लीग में सर्वाधिक 20 गोल करके चेल्सी को खिताब दिलाने में मदद की।

टेनिस खिलाड़ी तारा मूरे डोपिंग मामले में फंसी, अस्थाई तौर पर निलंबित

लंदन। ब्रिटेन की टेनिस खिलाड़ी तारा मूरे को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए पॉजिटिव पाए जाने पर खेल के डोपिंग रोधी नियमों के तहत अस्थाई तौर पर निलंबित किया गया है। 'इंटरनेशल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी% (आईटीआईए) ने बुधवार को कहा कि युगल में दुनिया की 83वें नंबर की खिलाड़ी 29 साल की मूरे अप्रैल में कोलंबिया में डब्ल्यूटीए टूर्नामेंट के दौरान नेंड्रोलिन मेटाबोलाइट और बोल्डेनोन के लिए पॉजिटिव पाई गईं। आईटीआईए ने कहा, 'खिलाड़ी अब बी नमूने की जांच का आग्रह कर सकती हैं जिससे पता चलेगा कि ए नमूने की पुष्टि होती है या नहीं। मूरे ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ नहीं लिया। मैं जानने की कोशिश कर रही हूं कि पॉजिटिव नतीजा कैसे आया और यह साबित करूंगी कि में पाक साफ खिलाड़ी हूं।% उन्होंने कहा, 'अस्थाई निलंबन से मैं बेहद दुखी हूं और उम्मीद करती हूं कि जितना जल्दी संभव हो कोर्ट पर वापसी करूंगी।

जब कैच छूटा मुझे लगा अब भारत की ख़ैर नहीं : वान दर दुसें

नई दिल्ली

यह बात इशान किशन ने मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स ब्रॉडकास्टर बात करते हुए कही थी। वही किशन जिन्होंने अपनी अर्धशतकीय पारी की बदौलत भारतीय टीम को 211 रनों तक पहुंचाने में सबसे अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि किशन ने ऐसा दो वजहों से कहा था। पहला यह कि नई गेंद घुमाव प्राप्त कर रही थी और दूसरा यह कि घुमाव के साथ-साथ गेंद बल्ले पर भी ठीक से नहीं आ रही थी। हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम ने साउथ अफ़्रीका को पीछा करने के लिए बड़ा लक्ष्य दिया था और एक समय पर दस ओवरों के बाद साउथ अफ़्रीका 86 रन पर अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। जिसके बाद मुक़ाबला भारतीय टीम के पक्ष में नज़र आ रहा था। मुक़ाबले के इस मोड़ पर रासी वान दर दुसें 16 गेंदों पर 15 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके साथ बल्लेबाज़ी कर रहे डेविड मिलर पांच गेंदों पर चार रन बनाकर खेल रहे थे। साउथ अफ़्रीका को आख़िरी दस ओवरों में जीत के लिए 126 रनों की दरकार थी जोकि टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुक़ाबले में इस अवधि के दौरान किसी भी टीम ने हासिल नहीं किया था। लेकिन वान दर दुसें और मिलर ने घबराने की कोई ज़हमत नहीं उठाई। वान दर दुसें ने मैच के बाद खुलासा करते हुए कहा, ऋजब डेविड बल्लेबाज़ी करने आए तब मैंने उनसे कहा कि आप अपनी शैली के मुताबिक बल्लेबाज़ी कर सकते हैं लेकिन मैं आख़िरी दस ओवर में दस से 12 रन प्रति ओवर बनाने के लक्ष्य से संतुष्ट हूं। हम पैनिक नहीं हुए। क्योंकि हमें पता था कि आवश्यक रन रेट के 14-15 पर जाने के बाद भी हम दाएं और बाएं हाथ के कॉम्बिनेशन के साथ छोटी बाउंड्री का भरपूर फ़ायदा उठा सकते हैं। उन्होंने वैसा किया भी। शानदार फ़ॉर्म में चल रहे मिलर ने हर्षल पटेल को 12वें ओवर में एक चौका और छक्का जड़ दिया। हर्षल के अगले ओवर में उन्होंने और बेहतर करते हुए एक चौका और दो छक्के जड़ डाले। भारतीय गेंदबाज़ों ने पहली पारी को ध्यान से देखा था लिहाज़ा उन्होंने उसी के मुताबिक अपनी रणनीति को अमल में लाया। भुवनेश्वर ने पारी के तीसरे और अपने दूसरे ओवर में ही तेम्बा बवूमा को पवेलियन चलता कर दिया और उन्होंने अपने पहले स्पेल में दो ओवर करते हुए सिर्फ़ सात रन खर्च किए। जब भुवनेश्वर पारी के 15वें ओवर में दूसरी बार गेंदबाज़ी करने आए तब उन्होंने उसी रणनीति के साथ गेंदबाज़ की। लेकिन तब तक पिच बल्लेबाज़ी के लिए पूरी तरह से मुफ़ीद हो चुकी थी। मिलर ने भुवनेश्वर की लगातार दो स्लोअर गेंदों को चौका और छक्के के लिए भेज दिया। मिलर ने महज़ 22 गेंदों में अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया जिस वजह से साउथ अफ़्रीका अब भी खेल में बनी हुई थी। हालांकि दूसरी तरफ़ वान दर दुसें संघर्ष कर रहे थे। वह 30 गेंदों में 29 रन ही बना पाए थे।

श्रेयस का कैच ड्रॉप पड़ा भारी, डुसेन ने 75 रन बनाए

9वें ओवर के बाद विकेट नहीं गिरा, 3 गेंदबाजों ने 40+ रन लुटाए

नई दिल्ली। गुरुवार को टीम इंडिया टी-20 इंटरनेशनल में लगातार 13 मैच जीतने का रिकॉर्ड बनाने से चूक गई। साउथ अफ्रीका ने पांच मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को 7 विकेट से हरा दिया। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में भारत ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए चार विकेट पर 211 बनाए थे। ईशान किशन ने सबसे ज्यादा 76 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 19.1ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया।

इस मैच में भारत की हार की सबसे बड़ी वजह गेंदबाजों का फ्लॉप शो रहा। अनुभवी भुवनेश्वर कुमार ने 4 ओवर में 43 रन दिए। वहीं, आवेश खान ने 4 ओवर में 35 रन खर्च कर दिए। हर्षल पटेल भी खासे महंगे साबित हुए और उन्होंने भी 4 ओवर में 43 रन दिए। पहली बार कप्तानी कर रहे ऋषभ पंत भी प्रभावित नहीं कर सके। हैरानी की बात यह रही कि

उन्होंने लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल से सिर्फ 2.1 ओवर ही करवाए। साथ ही शुरू के ओवरों में लगातार गेंदबाजी में बदलाव करते रहे, जिसका फायदा कुछ खास नहीं हुआ। वहीं, उन्होंने मिलर का एक गलत छ्र्र भी लिया।

अय्यर का कैच छोड़ना पड़ा भारी

क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट को मिलाकर यह भारत की साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार छठी हार है। इससे पहले भारत को साउथ अफ्रीका दौरे पर लगातार दो टेस्ट और तीन वनडे

मैचों में हार झेलनी पड़ी थी। मैच में साउथ अफ्रीका की पारी के दौरान श्रेयस अय्यर ने डुसेन का आसान कैच छोड़ दिया। यहीं से पूरा मैच बदल गया।

15 ओवर के बाद साउथ अफ्रीका का स्कोर तीन विकेट पर 148 रन था, लेकिन 16वें ओवर की दूसरी गेंद पर श्रेयस अय्यर ने डुसेन का आसान सा कैच छोड़ा। डुसेन उस समय 30 गेंदों पर 29 रन बनाकर खेल रहे थे। इसके बाद खेल पूरी तरह बदला और डुसेन ने मैच में 75 रनों की शानदार पारी खेली। मिलर के साथ मिलकर डुसेन ने चौथे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी कर डाली।

इससे पहले भारत के लिए ईशान किशन ने 48 गेंद में 76 रन रन बनाए। वहीं, हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत के बल्ले से भी रन निकले, लेकिन दोनों टीमों की गेंदबाजी मैच में फ्लॉप साबित हुई। मैच के बाद पंत ने कहा कि हमारे पास बोर्ड पर रन पर्याप्त थे, लेकिन मुझे लगता है कि हम दूसरी पारी में बेहतर नहीं थे।

कभी-कभी आपको विपक्षी टीम को भी क्रेडिट देना चाहिए। मिलर और डुसेन ने शानदार बल्लेबाजी की। जब हमने बल्लेबाजी की तो स्लोअर गेंद काम कर रही थी, लेकिन दूसरी पारी में विकेट बेहतर हो गया।

उत्तराखंड का रोनाल्डो

हेमराज जौहरी ने कार्नर किक पर दागा गोल

» लोग कर रहे स्टार फुटबॉलर्स से तुलना

नई दिल्ली

ये हैं हेमराज जौहरी। जो सोशल साइट्स में %उत्तराखंड के रोनाल्डो% के नाम से फेमस हो रहे हैं। इस युवा फुटबॉलर का एक वीडियो शुक्रवार को सोशल साइट्स में खूब ट्रेंड कर रहा है। कोई उन्हें उत्तराखंड का रोनाल्डो बता रहा है, तो उनकी तुलना पूर्व भारतीय कप्तान बायचून भुटिया से कर रहा है। वीडियो में हेमराज जौहरी एक पेनाल्टी लेते दिखाई दे रहे हैं, जिसमें बॉल कर्व करके गोल के अंदर चली जाती है। आमतौर पर ऐसा कर्व रोनाल्डो की फ्री किक में दिखने को मिलता है। यही कारण है कि लोग इस युवा फुटबॉलर की तुलना पूर्तगाल के फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो से कर रहे हैं।

यह वीडियो एक IAS अधिकारी अवनीश शरण ने पोस्ट किया है। जो पिथौरागढ़ जनपद के मुनस्यारी क्षेत्र के जोहार क्लब में चल रहे फुटबॉल टूर्नामेंट का है। हेमराज के पिता टेलरिंग का काम करते हैं। वीडियो पर कई यूज़र्स ने कमेंट किए और एक ने लिखा, बेहतरीन कॉर्नर शॉट।

पहले भी वायरल हो चुके हैं कई वीडियो

यह पहला मौका नहीं है जब किसी प्लेयर की वीडियो सोशल मीडियो में वायरल हुआ है। इससे पहले भी युवा खिलाड़ियों के वीडियो वायरल होते रहे हैं। फिर चाहे वह MP के उसेन बोल्ट के नाम से वायरल हुए रामेश्वर गुर्जर हो या फिर भोपाल का बुधिया के नाम से फेमस 6 साल के वरेण्यम शर्मा हों।

साउथ अफ्रीका की इतनी खराब फीलि्डंग नहीं देखी होगी

एक ही ओवर में ईशान और अय्यर को जीवनदान, पंत को आउट करने का मौका गंवाया

नई दिल्ली। क्रिकेट वर्ल्ड में अच्छी फीलि्डंग का जिक्र होने पर सबसे पहले साउथ अफ्रीका का नाम जेहन में आता है। जोंटी रोड्स सहित कई अफ्रीकी खिलाड़ियों ने फीलि्डंग के बल पर दुनियाभर में अनिगनत फैन बनाए। हालांकि, भारत के खिलाफ गुरुवार को दिल्ली में हुए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच में बिल्कुल ही उलट नजारा देखने को मिला। अफ्रीकी खिलाड़ियों ने कैच छोड़े, स्टंपिंग के मौके गंवाए और रन आउट आसान अवसर भी जाया कर दिया। जीवन दान मिलने पर भारतीयों खिलाड़ियों ने 70 रन एक्स्ट्रा जोड़कर स्कोर को 200 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, इतना सब होने के बावजूद अफ्रीकी टीम यह मैच जीतने में सफल रही। चलिए जानते हैं कि मैच में कब-कब अफ्रीकी सितारों ने खराब फीलि्डंग का प्रदर्शन किया।

ओवर में भारतीय बल्लेबाजों को दो जीवन दान:- भारतीय पारी के 11वें ओवर में पहले श्रेयस अय्यर का स्टंपिंग चांस छूटा, उसके बाद इसी ओवर में ऋषभ पंत का कैच भी छोड़ा गया। दरअसल 11वें ओवर की तीसरी गेंद ज्यादा टर्न हुई। केशव महाराज की इस गेंद को अय्यर समझ नहीं पाए और बीट हो गए। विकेटकीपर क्विंटन डिकॉक गेंद को ठीक से गैदर नहीं कर पाए और अय्यर को स्टंप आउट करने का आसान मौका गंवा बैठे। उस समय अय्यर 13 रन पर खेल रहे थे। इसके बाद उन्होंने 23 रन और बनाए। डिकॉक ने अय्यर को स्टंप न कर पाने पर केशव महाराज से माफी भी मांगी।

साइक्लिस्ट यौन उत्पीड़न:कोच के खिलाफ पुलिस केस तक नहीं; न फेडरेशन सामने आया, न साई और खेल मंत्रालय

नई दिल्ली

स्पोर्टस अथॉरिटी ऑफ इंडिया (स्र्ड्ढ) ने स्लोवेनिया में चल रहे ट्रेनिंग कैंप में नेशनल साइक्लिस्ट का यौन उत्पीड़न करने के मामले में 56 साल के कोच आरके शर्मा का करार निरस्त कर दिया है। साई ने टीम भी वापस बुला ली, लेकिन कोच पर पुलिस केस दर्ज नहीं कराया गया। न साइक्लिंग फेडरेशन ने केस दर्ज कराया है, न साई या खेल मंत्रालय ने इसकी जरूरत समझी। साई सेंटरों पर यौन प्रताड़ना का मुद्दा नया नहीं है। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिसंबर 2021 में लोकसभा में बताया था कि 2018 के बाद 4 साल में साई में ऐसे उत्पीड़न के 17 मामले सामने आए।

एक आरटीआई में साई ने बताया था कि 2010 से 2019 के बीच यौन प्रताड़ना के 45 केस सामने आए। साई की पूर्व डायरेक्टर जनरल नीलम कपूर ने स्वीकार कर चुकी हैं कि उत्पीड़न के मामलों की संख्या कहीं अधिक है, क्योंकि कई केस सामने ही नहीं आ पाते। साई में यौन उत्पीड़न की शिकायतें लंबित पड़ी रहती हैं। कोच 'रुतबे और रौब' का फायदा उठाते हैं और 'दरिंदे' बन जाते हैं...॥ रिपोर्ट महिलाओं के सशक्तिकरण पर एक संसदीय समिति यह टिप्पणी कर चुकी है कि कोच अपनी 'रुतबे और रोब' का फायदा उठाते हैं और 'दरिंदे' बन जाते हैं। बड़ी संख्या में ट्रेनी डरते हैं कि उनका चयन नहीं होगा। कुछ होता है तो वे चुपचाप सहते रहते हैं।

घटना स्लोवेनिया में हुई। भारत में एफआईआर कैसे दर्ज हो सकती है? पीड़िता बिना डरे भारत में केस दर्ज करवा सकती है। भारतीय नागरिक विदेशी धरती में अपराध से जुड़े हों तो केस दर्ज हो सकता है। पुलिस को केंद्र सरकार से अनुमति लेनी होगी।

ऐसे मामलों में पीड़िताएं एफआईआर दर्ज कराने से क्यों बचती हैं या दर्ज क्यों नहीं करवातीं? वर्ष 2019 में महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति ने बताया गया था कि खेल परिसरों में महिला खिलाड़ियों के यौन उत्पीड़न के जितने मामले दर्ज होते हैं, वास्तविक संख्या कहीं अधिक हो सकती है। कई मामलों में केस दर्ज नहीं कराए जाते। खिलाड़ियों को करियर प्रभावित होने का डर रहता है।

पुलिस स्वत्संज्ञान लेकर कैसे केस दर्ज कर सकती है? थर्ड पार्टी कैसे इंटरविन कर सकती है? गैर जमानती और गंभीर अपराधों में एफआईआर दर्ज करना जरूरी है। पुलिस स्वत॰ संज्ञान लेकर भी केस दर्ज कर सकती है। खेल संघ, भारतीय खेल प्राधिकरण और खेल मंत्रालय थर्ड पार्टी के नाते शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

हैदराबाद में संपत्ति का पंजीकरण मई में 152 प्रतिशत बढ़ाः नाइट फ्रैंक

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था में सुस्ती और ऊंची मुद्रास्फीति के बावजूद हैदराबाद में संपत्ति का पंजीकरण मई में सालाना आधार पर 152 प्रतिशत बढ़कर 6 रियल एस्टेट सलाहकार कंपनी ने कहा कि सालाना आधार पर मई में संपत्ति के कुल लेनदेन 146 प्रतिशत बढ़कर 3,058 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। माह-दर-माह आधार पर मूल्य के हिसाब से संपत्ति के लेनदेन 9.9 प्रतिशत बढ़े। इस तरह जनवरी, 2022 से हैदराबाद में पंजीकृत हुई संपत्तियों का कुल मूल्य 15,071 करोड़ रुपये बैठता है। हैदराबाद के आवासीय बाजार में चार जिले....हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरि, रंगारेड्डी और संगारेड्डी आते हैं। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा, ''अर्थव्यवस्था में सुस्ती और महंगाई के बावजूद हाल के वर्षों में हैदराबाद में सबसे मजबूत मांग देखने को मिली है। निर्माण की लागत बढ़ने से मूल्य की दृष्टि से संवेदनशील श्रेणियों पर प्रभाव पड़ा है, लेकिन ऊंचे मूल्य वाली संपत्तियों पर इसका प्रभाव नाममात्र ही रहा है जिससे बाजार मजबूत बना हुआ है।''

फिच ने भारत के रेटिंग परिदृश्य को संशोधित कर नकारात्मक से स्थिर किया

नई दिल्ली। फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत की सॉवरेन रेटिंग के परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर कर दिया है फिच रेटिंग्स ने भारत की सॉवरेन रेटिंग को 'बीबीबी-' पर कायम रखा। रेटिंग एजेंसी ने कहा, ''परिदृश्य में संशोधन हमारे इस विचार को दर्शाता है कि वैश्विक जिंस कीमतों में तेजी के झटकों के बावजूद भारत में आर्थिक सुधार और वित्तीय क्षेत्र की कमजोरियों में कमी के कारण मध्यम अवधि के दौरान वृद्धि में गिरावट का जोखिम कम हो गया है।'' हालांकि, फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया है, जिसके पहले 8.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई थी। वैश्विक जिंस कीमतों में तेजी के कारण महंगाई बढ़ने के चलते यह कटौती की गई।

श्रीलंका ने आर्थिक संकट से निपटने के लिए दो नए मंत्रालय बनाए

नई दिल्ली। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश में भीषण आर्थिक संकट से निपटने के लिए निवेश मंत्रालय सहित दो नए मंत्रालय बनाए हैं। नवगठित %प्रौद्योगिकी और निवेश संवर्धन% मंत्रालय श्रीलंका में आर्थिक क्षमता को बढ़ावा देते हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देगा। इसके अलावा महिला, बाल मामले और सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय नाम से एक और मंत्रालय बनाया गया है। इस मंत्रालय के तहत 15 संस्थान शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय बाल संरक्षण प्राधिकरण और समृद्धि विकास विभाग भी हैं।

लो बजट वाले स्मार्टफोन : 20 हजार रुपए से कम कीमत वाले बेस्ट-5 स्मार्टफोन, इसमें रियलमी और शाओमी के फोन भी शामिल

नई दिल्ली

अगर आप नए स्मार्टफोन खरीदना चाहते है जो एक मिड-रेंज स्मार्टफोन हो, तो आज हम ऐसे ही स्मार्टफोन के बारे में बता रहे हैं, जो 15,000 रुपए से कम कीमत में आते हैं। इसमें रियलमी, वीवो, शाओमी, इनफिनिक्स और मोटो के स्मार्टफोन शामिल हैं, जिनका परफॉर्मेंस काफी अच्छा है।

1.वीवो टी1 5जी

कीमत- 15,990 रुपए

वीवो टी 1 5जी स्मार्टफोन 4जीबी रैम और 128जीबी स्टोरेज वैरिएंट में आता है। फोन को फ्लिपकार्ट से 20त्न डिस्काउंट पर 15,990 रुपए में खरीदा जा सकेगा। फोन की खरीद पर 12500 रुपए तक का एक्सचेंज ऑफर दिया जा रहा है। वीवो टी1 5जी स्मार्टफोन में 6.58 इंच फुल HD+ इनसेल डिस्प्ले मिलता है। फोन में 5000mAh की बड़ी बैटरी दी गई है। वीवो टी1 5जी स्मार्टफोन को 6nm बेस्ड स्नैपड्रैगन 695 मोबाइल गेमिंग चिपसेट सपोर्ट के साथ पेश किया गया है। फोन एंड्रॉयड 12 बेस्ड फनटच OS 12 पर काम करेगा। फोन के रियर में AI ट्रिपल रियर कैमरा दिया गया है। इसका मेन कैमरा 50 मेगापिक्सल का है। साथ ही 2 मेगापिक्सल डेप्थ और बोकेह कैमरा और.आई मैक्रो लेंस दिया गया है। सेल्फी के लिए फोन में 16 मेगापिक्सल कैमरा दिया गया है।

2.रियलमी 9i

कीमत- 13,639 रुपए

रियलमी 9आई का 4जीबी रैम और 64जीबी स्टोरेज वैरिएंट 13,639 रुपए में आता है। फोन की खरीद पर 20 फीसदी डिस्काउंट दिया जा रहा है। साथ ही 12950 रुपए का एक्सचेंज ऑफर मिल रहा है। इसके अलावा यूजर्स को अमेजन पर कई बैंक ऑफर भी मिल रहे हैं। रियलमी 9आई में 6.6 इंच की फुल HD+ डिस्प्ले दी गई है। फोन एंड्रॉयड 11OS पर बेस्ड ऑक्टाकोर क्वॉलाकॉम स्नैपड्रैगन 689 प्रोसेसर पर काम करता है। रियलमी 9आई में 50MP रियर कैमरा सेटअप दिया गया है। इसके अलावा 2 मेगापिक्सल लेंस और 2 मेगापिक्सल का एक दूसरा लेंस दिया गया है।

व्हाट्सऐप देश की विभिन्न नागरिक संस्थाओं, सरकारों और नगर प्रशासन के साथ काम कर रही

व्हाट्सऐप इंडिया और केंद्र सरकार का चैटबॉट पर जोर

नई दिल्ली

कोविड-19 महामारी में पिछले दो सालों के दौरान व्हाट्सऐप चैटबॉट के व्यापक इस्तेमाल को देखते हुए व्हाइट्सऐप इंडिया और केंद्र ने अब इसके बॉट के फीचर का विस्तार करने की योजना बनाई है ताकि इसमें कैंसर के इलाज से जुड़े ऑनलाइन डॉक्टरी परामर्श और मरीजों के पिछले इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड को इसमें शामिल किया जा सके। इस तरह के सॉल्यूशंस में एक स्वचालित समाधान, एक्स-रे सेतु शामिल है जिसमें व्हाट्सऐप द्वारा भेजी गई कम रिजॉल्यूशन वाली फोटो से भी छाती के एक्स-रे के बारे में बताया जा सकेगा। व्हाट्सऐप इंडिया के प्रमुख अभिजित बोस ने बताया, कोविड-19 एक बेहद मुश्किल दौर था लेकिन इसने यह भी सबक दिया कि लोग कितनी जल्दी समाधान हासिल कर सकते हैं। बोस ने कहा कि व्हाट्सऐप देश की विभिन्न नागरिक संस्थाओं, सरकारों और नगर प्रशासन के साथ काम कर रही है ताकि यह समझा जा व्हाट्सऐप बिजनेस प्लेटफॉर्म किन तरीके से सरकारों की मदद कर सकता है ताकि नागरिकों के साथ जल्द संवाद स्थापित किया जाए और सेवाएं सुरक्षित तरीके से दी जाएं। इसने पिछले दो सालों में 'माइगव' और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ काम किया है ताकि व्हाट्सऐप पर व्हाट्सऐप हेल्पडेस्क बनाया जा सके। व्हाट्सऐप बिजनेस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अप्वाइंटमेंट की बुकिंग करने, टीकाकरण और जांच केंद्रों की पहचान करने, स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का हल करने, कोविड 19 और सामान्य बीमारियों के लिए डॉक्टरों से पूछताछ करने के लिए किया गया।

माईगव के सीईओ अभिषेक सिंह ने कहा, %माईगव कोरोना हेल्पडेस्क चैटबॉट की कल्पना की गई और इसे मार्च 2020 में लॉन्च किया गया और इसका मकसद कोविड-19 से जुड़े संचार के लिए व्हाट्सऐप इंटरफेस का इस्तेमाल करना था ताकि नागरिकों को कोविड से जुड़ी सभी जानकारी मिल जाए और उनके सवालों के जवाब मिल जाए। यह चैटबॉट 13 मार्च, 2020 को योजना बनाए जाने के महज पांच दिन में लॉन्च कर दिया गया और 19 मार्च, 2020 को यह लाइव हो गया। उन्होंने कहा कि एक हफ्ते के भीतर ही चैटबॉट के 1 करोड़ उपयोगकर्ता थे। वक्त गुजरने के साथ ही इसमें अधिक फीचर जोड़े गए और अब हमारे पास 8.5 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। सिंह ने कहा, %अब तक 8.5 करोड़ लोगों ने बॉट के साथ संवाद किया है। वहीं 3.4 करोड़ से अधिक लोगों ने टीकाकरण के प्रमाणपत्र डाउनलोड किए हैं। वहीं 30 लाख से अधिक लोगों ने चैटबॉट से टीकाकरण के लिए स्लॉट की बुकिंग की है और 10 लाख से अधिक ने डिजिलॉकर सेवाओं का इस्तेमाल किया है।' सिंह का कहना है कि जनवरी 2021 में कोविड 19 टीकाकरण की बुकिंग और प्रमाणपत्र डाउनलोड करने के फीचर की शुरुआत हुई। इस जनवरी में डिजिलॉकर सेवाओं को बॉट में अनलॉक कर दिया गया और कई सार्वजनिक दस्तावेज के बाद इसकी शुरुआत हुई। सिंह ने कहा, इस इंटरफेस ने पंजीकृत मोबाइल नंबर के उपयोगकर्ताओं को सूचना दी और इस पर तुरंत ही ओटीपी साझा किया। टीकाकरण का प्रमाणपत्र महज 30 सेकंड में मिल गया। चैटबॉट में बातचीत करने के लिए भी एक इंटरफेस है क्योंकि इंस्टैंट मेसेजिंग मंच का इस्तेमाल 50 करोड़ से अधिक भारतीय करते हैं और इन दस्तावेजों तक अपनी पहुंच बनाना आसान है। हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ यह चैटबॉट 14 राज्यों में क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध था।% शुरुआत में इसे टीकाकरण की बुकिंग के अप्वाइंटमेंट और टीकाकरण प्रमाणपत्र डाउनलोड करने के लिए डिजाइन किया गया था लेकिन उस वक्त से यह विभिन्न तरह के आधिकारिक दस्तावेजों तक अपनी पहुंच बनाने के वन स्टॉप शॉप में तब्दील हो गया है।

ड्रग रिटेलर कंपनी के मालिक बनेंगे अंबानी

वालग्रीन्स बूट्स को खरीदने के करीब पहुंची रिलायंस, बाइंडिंग ऑफर पेश किया

नई दिल्ली

एशिया के सबसे अमीर बिजनेसमैन मुकेश अंबानी ड्रग रिटेलर वालग्रीन्स बूट्स एलायंस के च बिजनेस का अधिग्रहण करने के और करीब पहुंच गए हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज (ऋढ्ढरु) और रु बायआउट फर्म अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने अधिग्रहण के लिए बाइंडिंग ऑफर पेश किया है। ब्लूमबर्ग ने इस मामले से जुड़े लोगों से बातचीत के आधार पर एक रिपोर्ट पब्लिश की है। बूट्स की प्रप्रोजल वैल्यू ्5 अरब (करीब 48 हजार करोड़ रुपए) से ज्यादा बताई गई है। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा है कि वालग्रीन लगभग ्7 अरब का वैल्यूएशन चाहता है। बूट्स पूरे च में 2,200 से ज्यादा स्टोर्स का नेटवर्क चलाता है। रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले कुछ हफ्तों में बोली जीतने वाले का ऐलान किया जा सकता है। वालग्रीन का प्लान डील के बाद कारोबार में कुछ हिस्सेदारी रखने का है।

रिलायंस और अपोलो का दावा मजबूत

ब्लूमबर्ग ने बीते दिनों अपनी एक रिपोर्ट में बताया था कि ऋढ्ढरु और अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट की कंसोर्टियम के अलावा ब्रिटेन के बिलेनियर इस्सा ब्रदर्स और टीडीआर कैपिटल का कंसोर्टियम भी अधिग्रहण की रेस में था। ये कंसोर्टियम मेन कॉम्पिटिटर था, लेकिन इस्सा ब्रदर्स को बूट्स का वैल्यूएशन ज्यादा लगा और वो पीछे हट गया। ऐसे में अब ऋढ्ढरु और अपोलो की बूट्स के अधिग्रहण की संभावनाएं काफी ज्यादा बढ़ा गई हैं।

आईएमएफ ने पाकिस्तान से सीपीईसी बिजली सौदों पर नए सिरे से बातचीत करने को कहा

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने नकदी संकट से जूझ रही पाकिस्तान सरकार से चीन के बिजली संयंत्रों का करीब 300 अरब रुपये का भुगतान करने से पहले 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे% (सीपीईसी) के बिजली सौदों पर एक बार फिर से बातचीत करने को कहा है। एक मीडिया रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी पाकिस्तान को अपनी ढहती अर्थव्यवस्था को समर्थन के लिए लगातार अंतरराष्ट्रीय मदद मांगनी पड़ रही है। इस मुद्दे पर कतर की

राजधानी दोहा में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ बातचीत जारी है। समाचार पत्र 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने एक रिपोर्ट में बताया कि आईएमएफ ने पाकिस्तान सरकार से कहा है कि वह चीन के बिजली संयंत्रों को 1994 और 2002 की बिजली नीतियों के तहत स्थापित बिजली संयंत्रों जैसा ही रुख अपनाए। इन संयंत्रों को सीपीईसी रूपरेखा करार के तहत स्थापित किया गया था। आईएमएफ की यह मांग पूर्व में स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) के साथ समझौते की शर्तों पर फिर से बातचीत करने से चीन के इनकार के बाद आई है। सूत्रों के मुताबिक, आईएमएफ को लगता है कि चीन के स्वतंत्र बिजली उत्पादक पाकिस्तान से अधिक शुल्क वसूल रहे हैं और इन सौदों पर नए सिरे से चर्चा करने की जरूरत है।

कर राजस्व संग्रह 2022-23 में बजट अनुमान से बेहतर रहने की उम्मीद : राजस्व सचिव

मुंबई

राजस्व सचिव तरुण बजाज ने बृहस्पतिवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में कर राजस्व संग्रह बजट अनुमान से कहीं बेहतर रहने की उम्मीद है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में अप्रत्यक्ष कर संग्रह 20 प्रतिशत और प्रत्यक्ष कर संग्रह 49 प्रतिशत बढ़ा था। वहीं कर-जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) अनुपात बढ़कर 11.7 प्रतिशत पहुंच गया। यह 1999 के बाद सर्वाधिक है। वित्त वर्ष 2020-21 में कर-जीडीपी अनुपात 10.3 प्रतिशत था। देश का कर संग्रह पिछले साल बढ़कर रिकॉर्ड 27.07 लाख करोड़ रुपए पहुंच गया। जबकि बजट अनुमान 22.17 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि सरकार 2021-22 के अनुमान के मुकाबले पांच लाख करोड़ रुपए अधिक कर राजस्व प्राप्त करने में सफल रही। बजाज ने कहा, ''हम अभी नये वित्त वर्ष की शुरुआत में है। यह जून का महीना है। मुझे राजस्व के मामले में स्थिति जानने के लिये एक और महीना चाहिए।%%

उन्होंने कहा, ''लेकिन इस समय जो भी संकेत हैं, मैं उसको लेकर काफी आशान्वित हूं। और मुझे लगता है कि इस साल भी कर राजस्व के मामले में स्थिति बजट अनुमान से बेहतर होगी... ।%% 'आजादी का अमृत महोत्सव% के विशेष साप्ताहिक समारोह में बजाज ने कहा कि अप्रत्यक्ष कर के संदर्भ में सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क के मामले में कुछ छूट दी गई हैं, लेकिन इसके बावजूद स्थिति अच्छी रहने का अनुमान है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क (सीबीआईसी) बोर्ड द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के मामले में अच्छी वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा,''मुझे उम्मीद है कि जीएसटी के मामले में चालू वर्ष में औसत राजस्व 1.40 से 1.50 लाख करोड़ रुपए रहेगा।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)